दैनिक
भारत का बदलता शासन
गाजियाबाद से प्रकाशित
RNI NO: UPHIN2023/88802
हर सच की पहचान...
वर्ष-02, अंक-213, गाजियाबाद, सोमवार, 19.05.2025 पृष्ठ-08, मूल्य-3/-
8527848454

सूर्योदय 05 : 27 | सूर्यास्त 07 : 07
आज का तापमान °C 38/27
वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) - 125

आज का विचार
"अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें, और दूसरों की बातों से प्रभावित न हों।"
follow X - @Bharatkbs

शेयर मार्केट
SENSEX 82,294.85
NIFTY 25,025.45

सर्राफा बाजार
सोना प्रति 10 ग्राम 95780/-
चांदी प्रति किलो ग्राम 98,000/-

पीसीएस अधिकारी गंभीर सिंह का आजमगढ़ में तबादला
follow X - @Bharatkbs Page- 3

राजकीय सम्मान के साथ की गई सिपाही अंकित तोमर की अंत्येष्टि

गाजियाबादः दिल्ली से सटे गाजियाबाद में शनिवार को एक दुखद घटना हुई। वैशाली सेक्टर-4 के पास हिंडन नहर में एक युवती ने छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी नहर में कूद गए, लेकिन नहर गहरी होने के कारण एक सिपाही डूब गया। गोताखोरों ने सिपाही को किसी तरह बाहर निकालकर अस् पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन् हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं युवती और दूसरा पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। राजकीय सम् मान के साथ सिपाही अंकित तोमर की अंत येष्टि की गई। बताया जा रहा है कि ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने आत महत या करने के लिए हिंडन नहर में छलांग लगा दी थी। उधर से दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी गुजर रहे थे। दोनों तत काल युवती को बचाने के लिए नहर में कूद गए। नहर बहुत गहरी थी। इस वजह से दोनों सिपाही डूबने लगे। ट्रैफिक सिपाही अंकित तोमर नहर में डूबने लगे। उनके साथी किसी तरह पानी से बाहर निकलने में सफल रहे। उन्होंने युवती को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया. लेकिन दुर्भाग्यवश, सिपाही अंकित तोमर पानी से बाहर नहीं आ सके। अंकित तोमर को ढूंढने के लिए गोताखोरों को बुलाया गया। लगभग एक घंटे की खोज के बाद उन्हें नहर से निकाला गया। इसके बाद उन्हें तुरंत कौशांबी के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। डॉक टरों ने उन हें मृत घोषित कर दिया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सिपाही की मौत हो गई है।

20 मई को होगी जीडीए की बोर्ड बैठक

गाजियाबाद। मेरठ मंडलायुक्त एवं जीडीए अध्यक्ष ऋषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रस्तावित जीडीए की बोर्ड बैठक में नई टाउनशिप हरनंदीपुरम के लिए भूमि अधिग्रहण को मंजूरी मिलेगी। इसके बाद टाउनशिप के लिए जीडीए संबंधित गांव के किसानों से बात कर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ करेगा। बोर्ड बैठक में इस बार गाजियाबाद महायोजना 2031 का ड्राफ्ट और मधुबन बापूधाम योजना के संशोधित लेआउट को भी मंजूरी मिल सकती है।प्राधिकरण की 169वीं बोर्ड बैठक के लिए 23 प्रस्ताव तैयार किए हैं। मुख्य रूप से हरनंदीपुरम योजना के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर मंजूरी का रहेगा, जिसमें पांच गांव की 336.8444 हेक्टेयर भूमि को किसानों से सर्किल रेट से चार गुना दर पर भूमि खरीदने का प्रस्ताव है। इन गांवों में मथुरापुर गांव की जमीन को सर्किल रेट 1020 रुपये प्रति वर्ग मीटर, भनेडा खुर्द गांव का सर्किल रेट 1,060 रुपये, शमशेरा गांव का सर्किल रेट 1,690 रुपये, नगला फिरोज मोहनपुर गांव का सर्किल रेट 1800 रुपये प्रति वर्ग मीटर है, जबकि इसमें चंपत नगर का सर्किल रेट सबसे कम 1,010 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। इसके लिए करीब ढाई हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। बोर्ड बैठक में मधुबन बपूधाम योजना के संशोधित लेआउट का प्रस्ताव भी रखा जाएगा, जिसमें 1093 किसानों को भूखंड देने के प्रस्ताव पर मोहर लगेगी। इसके बाद किसानों को जीडीए की ओर से भूखंड दिए जा सकेंगे और योजना का विकास होगा।

खास खबरें

यूपी में 18 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों के तबादले किये जा रहे हैं। एक बार फिर तबादले कर दिए गए हैं। रविवार को करीब 18 पीसीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। तबादलों के क्रम में पीसीएस राजित राम गुप्ता को एडीएम नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति बलिया बनाया गया है। साथ ही नम्रता सिंह को लखनऊ नगर निगम में अपर नगर आयुक्त, स्वप्निल कुमार यादव को अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे चित्रकूट और रोशनी यादव को अपर जिलाधिकारी न्यायिक लखनऊ बना दी गई है। गाजियाबाद के अपर जिलाधिकारी नगर रहे गंभीर सिंह को आजमगढ़ जिले का अऊट वित्त राजस्व बनाया गया है। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी न्यायिक लखनऊ रहे हनुमान प्रसाद को रामपुर का एडीएम वित्त राजस्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह अम्बरीश कुमार बिंद को बरेली जिले का नगर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। राजीव कुमार राय और शुभी काकन को उप निदेशक मंडी परिषद लखनऊ बनाया गया है। राजीव कुमार शुक्ला को प्रयागराज नगर निगम में अपर नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही बागपत के अपर जिलाधिकारी न्यायिक रहे सुभाष सिंह को अपर नगर आयुक्त वाराणसी, राजेश कुमार गुप्ता को अपर जिलाधिकारी प्रशासन लखनऊ और हेम सिंह को अयोध्या विकास प्राधिकरण में सचिव नियुक्त किया गया है। साथ ही वंदिता श्रीवास्तव द्वितीय को बरेली विकास प्राधिकरण में सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव रहे सत्येंद्र सिंह को शामली का एडीएम वित्त राजस्व बनाया गया है।

हंसी के गप्पे

टीचर- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है??
गप्पू- सर चोर होते है!
टीचर - वो कैसे??
गप्पू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

फर्जी डिग्री घोटाले में एसटीएफ का मोनाड विश्वविद्यालय बड़ा एक्शन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

चेयरमैन समेत 12 लोग हिरासत में

हापुड़ : मोनाड विश्वविद्यालय फर्जी डिग्री घोटाले को लेकर विवादों में घिर गया है। शनिवार शाम एसटीएफ की लखनऊ और मेरठ यूनिट की संयुक्त टीम ने विश्वविद्यालय में छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की। फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां जारी करने के गंभीर आरोपों के चलते विश्वविद्यालय के चेयरमैन समेत 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

एसटीएफ को मोनाड विश्वविद्यालय में फर्जी दस्तावेज जारी होने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी कड़ी में शनिवार दोपहर करीब चार बजे एसटीएफ की टीम परिसर में पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेर लिया। जांच के दौरान विश्वविद्यालय में किसी के भी आने-जाने पर रोक लगा दी गई, वहीं मौके पर मौजूद सभी लोगों के मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए गए।

करीब पांच घंटे तक चली इस छापेमारी में एसटीएफ ने कई अहम दस्तावेज खंगाले। जांच के दौरान टीम ने विश्वविद्यालय से लैपटॉप, हार्ड डिस्क और सर्वर सिस्टम जब्त किए हैं, जिनमें फर्जीवाड़े से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं होने की संभावना जताई जा रही है। छापे के बाद सभी 12 संदिग्धों को पिलखुवा कोतवाली ले जाकर पूछताछ की जा रही है।

एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार, सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनकी भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई एसटीएफ के क्षेत्राधिकारी (सीओ) के नेतृत्व में की गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह छापा हरियाणा से पकड़े गए दो युवकों की निशानदेही पर डाला गया है, जिन्हें हाल ही में 80 हजार फर्जी मार्कशीट के साथ गिरफ्तार किया गया था। यूपी एसटीएफ की छापेमारी के दौरान दोनों आरोपी भी टीम के साथ मौजूद थे।

शनिवार की कार्रवाई के दौरान उन्होंने टीम को मदद की। इस मामले ने मोनाड यूनिवर्सिटी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एसटीएफ की ओर से चली छापेमारी के दौरान यूनिवर्सिटी परिसर से बड़ी मात्रा में डिजिटल सबूतों को भी जब्त किया गया है। लैपटॉप, हार्डडिस्क, सर्वर सिस्टम और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। इन सभी डिजिटल उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे जाने की तैयारी है। इससे यह पता चल सकेगा कि फर्जी दस्तावेजों का निर्माण और वितरण किस तरह से किया जा रहा था। इस मामले में कौन-कौन शामिल थे?

एसटीएफ चीफ अमिताभ यश ने फर्जी डिग्री मामले में हुई गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन विजेंद्र सिंह हुड्डा पहले भी चर्चित बाइक बोट घोटाले का मास्टरमाइंड रह चुका है। यह घोटाला करोड़ों रुपये की ठगी से जुड़ा है। अब ऐसा लग रहा है कि विजेंद्र सिंह हुड्डा का नाम एजुकेशन से जुड़े बड़े घोटाले से जुड़ गया है।

एसटीएफ ने हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। बरामद दस्तावेजों की गहन जांच चल रही है। अमिताभ यश ने बताया कि अग्रिम विधिक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद इसमें और भी लोगों की संलिप्तता सामने आ सकती है।

ठाकुर द्वारा फ्लाईओवर के नीचे बनेंगे यूटर्न

गाजियाबाद। ठाकुर द्वारा फ्लाईओवर शहर का प्रमुख जाम प्वाइंट है। यहां दिन भर जाम लगता है। इस जाम की समस्या को खत्म करने के लिए फ्लाईओवर के नीचे डिवाइडर और यू-टर्न बनाए जाएंगे। इससे यहां जाम की समस्या खत्म हो जाएगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसकी कार्य योजना बनाकर शासन को भेज दी है। शहर के बीच से जीटी रोड गुजर रहा है। हापुड़ मोड़ पर ठाकुर द्वारा फ्लाईओवर बना है। यह फ्लाईओवर 400 मीटर से अधिक लंबा है। फ्लाईओवर के नीचे जिला एमएमजी अस्पताल है। फ्लाईओवर के नीचे वाहनों दबाव अधिक होता है। सड़क के दोनों घनी आबादी है। यहां यूटर्न नहीं बना है। ट्रैफिक पुलिस ने अस्थायी डिवाइडर लगा दिए हैं। यहां पर अवैध पार्किंग होती है। ट्रैफिक पुलिस तैनात रहती है। इसके बाद भी यहां जाम की समस्या बनी रहती है। दिन भर वाहन रेंगते हैं। अस्पताल पास होने के कारण आए दिन जाम में एंबुलेंस फंस जाती हैं। सांसद अतुल गर्ग ने फ्लाईओवर के नीचे डिवाइडर और यूटर्न बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखा था। विभाग ने इसकी कार्ययोजना बनाकर भेज दी है। दूधेश्वरनाथ मंदिर को ठाकुर द्वारा फ्लाईओवर के नीचे से होकर जाना पड़ता है। जाम की वजह से भक्तों को मंदिर पहुंचने में परेशानी होती है। महाशिव रात्रि पर सबसे अधिक भक्तों की भीड़ उमड़ती है। यू-टर्न बनने के बाद भक्त आसानी से मंदिर पहुंच जाएंगे।

विधान परिषद सदस्य नरेंद्र कश्यप ने डासना से रसूलपुर सिकरोड़ गांव तक सड़क बनाने का प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी को भेजा था। इस सड़क को बनाने के लिए विभाग ने कार्य योजना बना ली है। इस रोड के बनने से लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। लंबे समय से यह सड़क टूटी है। जलभराव की वजह से यह सड़क टूट जाती है। लोगों की मांग है कि सड़क बनाने के लिए साथ यहां जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए।

जितना पुराना घर उतनी अधिक हाउस टैक्स में छूट

गाजियाबादः नगर निगम ने नई के साथ ही पुरानी संपत्तियों पर डीएम सर्कल रेट के हिसाब से हाउस टैक्स लगा दिया है। खास बात यह है कि निगम की बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव पास भी नहीं हुआ। कुछ पार्षदों को छोड़ दिया जाए तो कोई इसका विरोध नहीं कर रहा। मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि इसको लेकर नगर आयुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी। पहले कितना टैक्स लगता था और डीएम सर्कल रेट के हिसाब से कितना लगेगा, इस पर चर्चा की जाएगी।

यदि बहुत अधिक अंतर नहीं हुआ तो इसे लागू किया जाएगा। यदि आमलोगों पर बहुत अधिक भार पड़ेगा तो विचार किया जाएगा। फिलहाल गाजियाबाद नगर निगम की तरफ से पुराने टैक्स का चार गुना बिल बढ़ाकर जारी किया जा रहा है।

यदि किसी का घर अधिक पुराना है तो उसे टैक्स से ज्यादा छूट मिल रहा है। यह छूट अधिकतम 61 फीसदी तक हो सकती है। यदि कोई 10 साल पुराने घर में रह रहा है तो उसके सालाना बिल में 25 फीसदी की रियायत दी जाएगी। 10 से 20 साल पुराने घर के मामले में यह डिस्काउंट 32.5 फीसदी तक होगी। 20 से 40 साल पुराने घर के मामले में यह छूट 40 फीसदी तक है।

यदि कोई 31 जुलाई तक हाउस टैक्स जमा करवाता है तो उसे 20 फीसदी की और छूट दी जाएगी। ऑनलाइन जमा करवाने पर यह छूट 1 फीसदी और बढ़ जाएगी। इस हिसाब से अधिकतम एक करदाता को 61 फीसदी तक छूट मिल सकती है। वहीं, न्यूनतम यह छूट 46 फीसदी तक रहेगी।

सप्ताह के अंत में बारिश की संभावना

गाजियाबाद। रविवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस नीचे आकर 39 व न्यूनतम तापमान बिना किसी परिवर्तन के 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर में आर्द्रता कम होकर 40 फीसदी रही। हवा की रफ्तार में भी गिरकर आठ किलोमीटर प्रति घंटा पहुंच गई। आने वाले बुधवार तक मौसम में किसी तरह का बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाएंगे और सप्ताह के अंत में बारिश होने की संभावना बन रही है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही ने बताया कि सोमवार को अधिकतम तापमान एक डिग्री नीचे आकर 38 व न्यूनतम पारा दो डिग्री गिरकर 26 रह सकता है।

ई-व्हीकल्स की परेशानी होगी खत्म

इस महीने 20 स्थानों पर शुरू हो जाएगा चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। नगर निगम इस महीने से शहर में 20 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम शुरू कराएगा। इसको लेकर अनुबंधित कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी किया जा चुका है। ई-वाहनों को चार्ज करने में लोगों को परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

चार्जिंग स्टेशन पीपीपी मॉडल के आधार पर बनाए जाएंगे। पिछले दिनों कंपनी और निगम अधिकारियों के बीच बैठक हुई थी। सभी अड़चन दूर हो गई है। अधिकारियों ने कंपनी को ई-चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए कहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम पांचों जोन में चार्जिंग स्टेशन का निर्माण करा रहा है। कविनगर जोन में गोविंदपुरम, मेरठ रोड दुहाई, डायमंड फ्लाइओवर और विवेकानंदनगर रेलवे पुल के नजदीक चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा।

इसके अलावा सिटी जोन में रेत मंडी नंदग्राम रोड, राजनगर एक्सटेंशन मुख्य मार्ग, हरनंदी श्मशान पार्किंग, साईं उपवन, पटेल मार्ग जीटी रोड, नया बस अड्डा और विजयनगर जोन में ताज हाइवे, क्रॉसिंग रिपब्लिक, अकबरपुर बहरामपुर में, मोहननगर जोन में हिंडन एयर फोर्स स्टेशन, मोहननगर तिराहा, अर्थला मेट्रो स्टेशन, राजेंद्रनगर, वसुंधरा जोन में कनावनी पुलिया और सौर ऊर्जा मार्ग पर चार्जिंग स्टेशन बनेगा।

राजनीति

बहुजन समाज पार्टी में एक बार फिर सुनाई दी संगठनात्मक बदलाव की गूंज

मायावती ने आकाश आनंद को बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी में एक बार फिर संगठनात्मक बदलाव की गूंज सुनाई दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। रविवार को दिल्ली में आयोजित बसपा की वरिष्ठ नेताओं की बैठक में मायावती ने इस अहम घोषणा के साथ आकाश को पार्टी के भविष्य के अभियान और प्रचार-प्रसार की कमान सौंप दी। आकाश आनंद के पार्टी में बड़े पद मिलने को लेकर उम्मीद पहले से जताई जा रही थी। लेकिन, बिहार चुनाव की सुगबुगाहट के बीच इस बड़ी जिम्मेदारी को अलग नजरिए से देखा जा रहा है। इससे निश्चित तौर पर बसपा प्रमुख पार्टी की स्थिति में बदलाव की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बैठक में बसपा के तीन राष्ट्रीय समन्वयकों, राज्यसभा सांसद रामजी गौतम, रणधीर बेनीवाल और राजाराम को निर्देश दिया गया कि वे अब आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। इन समन्वयकों में रामजी गौतम बिहार के प्रभारी भी हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस स्थिति में माना जा रहा है कि आने वाले समय में आकाश आनंद बिहार में सक्रिय हो सकते हैं। अभी वहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी सक्रियता बढ़ाए हुए हैं। पिछले दिनों वे दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश करते दिखे।

बसपा प्रमुख मायावती ने अब आकाश आनंद को सामने लाकर दलित युवा वर्ग के बीच एक नए चेहरे को उतारने की कोशिश में हैं। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीतिक चर्चा भी हुई, जिसमें आकाश आनंद की भूमिका को काफी अहम माना जा रहा है।

मायावती का यह फैसला इसलिए भी खास है, क्योंकि मार्च 2025 में बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। सार्वजनिक रूप से उनके व्यवहार को अनुशासनहीन बताया था। उस समय मायावती ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अब मेरे जीते-जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। हालांकि, 13 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर माफी मांगते हुए सार्वजनिक बयान जारी किया था।

आकाश आनंद ने लिखा था कि मैं यह प्रण लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों, विशेषकर अपने ससुराल वालों को पार्टी में किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप नहीं करने दूंगा। इस माफीनामे के महज सात घंटे बाद मायावती ने उनकी माफी स्वीकार कर ली थी और पार्टी में फिर शामिल कर लिया था।

खास खबरें

सऊदी अरब में फंसे बिहार-यूपी और बंगाल के 400 मजदूर

- पीएम और सीएम से लगाई वतन वापसी की गुहार

गोपालगंज (एजेंसी)। सऊदी अरब के यानबू स्थित सेंडन इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड में काम कर रहे बिहार और उत्तर प्रदेश के 400 से अधिक श्रमिक गंभीर संकट में हैं। इनमें गोपालगंज, सीवान, छपरा समेत विभिन्न जिलों के मजदूर शामिल हैं। श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी ने पिछले 8 माह से उन्हें वेतन और ठीक से भोजन नहीं दिया है। इतना ही नहीं उन्हें घर लौटने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है। अब इन मजदूरों ने वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से वतन वापसी की अपील की है। जानकारी के अनुसार इन श्रमिकों ने भारतीय दूतावास से भी मेल और फोन के माध्यम से कई बार संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। मजदूरों का कहना है कि अगर जल्द मदद नहीं मिली तो उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। बताया गया कि सेंडन इंटरनेशनल एक निर्माण और संबद्ध सेवाओं की कंपनी है, जो तेल, गैस, उर्वरक, बिजली और परिवहन जैसे क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी और इसका मुख्यालय यानबू, सऊदी अरब में है। फंसे हुए मजदूरों में गोपालगंज के धमपाकड़ गांव के राजकिशोर कुमार, भगवानपुर एकडंगा गांव के बलिंदर सिंह, फतेहपुर दीघा के दिलीप कुमार चौहान, राजेंद्र नगर मोहल्ले के शैलेश कुमार चौहान, बालेपुर बथुआ बाजार के ओमप्रकाश सिंह, सीवान के उमेश साह, रवि कुमार, राजीव रंजन और हरिंदर चौहान शामिल हैं। सभी ने सरकार से जल्द राहत की गुहार लगाई है। इनके परिजनों ने जिलाधिकारी और गोपालगंज के सांसद डॉ आलोक कुमार सुमन को भी आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें झारखंड से वापस भेजने को विशेष बल गठित करे सरकार : चंपई

रांची (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें राज्य से निर्वासित करने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का आग्रह किया। चंपई सोरेन ने दावा किया कि बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण झारखंड की जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है, जो आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा है। चंपई सोरेन ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं देश में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं। अब, मैं राज्य सरकार से झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करने के लिए एक कार्य बल गठित करने का आग्रह करता हूं।' उन्होंने दावा किया कि राज्य, विशेष रूप से आदिवासी बहुल संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों की जनसांख्यिकी 'घुसपैठियों के कारण बदल रही है'। चंपई सोरेन ने कहा, 'मैंने लगातार इस मुद्दे और धर्म परिवर्तन के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन इन गंभीर मामलों पर चुप है। घुसपैठिए आदिवासियों और मूल निवासियों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं।'

अब आईआईटी बॉम्बे ने तुर्की का बहिष्कार किया, विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन किया रद्द

मुंबई (एजेंसी)। भारत में तुर्की के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। देश में हर तुर्की उत्पाद का बहिष्कार किया जा रहा है। भारत से तुर्की को संगमरमर और सेब का व्यापार बंद करने की घोषणा के बाद देश के कई बड़े संगठनों ने भी तुर्की के साथ अपने अनुबंध रद्द कर दिए हैं। आईआईटी बॉम्बे भी इस सूची में शामिल हो गया है। आईआईटी मुंबई ने तुर्की विश्वविद्यालयों के साथ सभी समझौते रद्द कर दिए हैं। यह निर्णय तुर्की और भारत के बीच वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। आईआईटी बॉम्बे ने कहा है कि तुर्की के साथ शैक्षणिक सहयोग अगली सूचना तक निलंबित रहेगा। आईआईटी बॉम्बे ने छात्रों और शिक्षकों से तुर्की से संबंधित किसी भी आदान-प्रदान या शोध कार्यक्रम के बारे में आधिकारिक जानकारी निलंबित करने को कहा है। इससे पहले आईआईटी रुड़की, जेएनयू और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे संस्थानों ने भी तुर्की संस्थानों के साथ अपना सहयोग समाप्त कर दिया है। आईआईटी बॉम्बे के अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय देश की सुरक्षा और हितों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से लिया गया है। मालूम हो कि तुर्की पर पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने का आरोप है, जिसके कारण पूरे भारत में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और पूरे देश में तुर्की का बहिष्कार अभियान चलाया जा रहा है।

ग्वालियर हाईकोर्ट में बाबा साहेब की मूर्ति को लेकर हुआ विवाद : वकीलों और भीम आर्मी कार्यकर्ताओं में झड़प, पुलिस तैनात

ग्वालियर(एजेंसी)। ग्वालियर हाईकोर्ट बेंच परिसर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर शनिवार को तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। मूर्ति लगाने की मांग को लेकर पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच कहासुनी हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते हाईकोर्ट परिसर रणभूमि में बदल गया, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान एक वकील ने भीम आर्मी के एक कार्यकर्ता के साथ मारपीट की, जिसके बाद वहां मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं और वकीलों के बीच धक्का-मुक्की और नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल को तुरंत मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने परिसर को खाली कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। बताया जाता है कि कुछ वकील जहां बाबा साहेब की मूर्ति स्थापना का समर्थन कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ बार एसोसिएशन का एक वर्ग कह रहा है कि न्यायालय परिसर को राजनीतिक और वैचारिक मुद्दों से दूर रखना चाहिए।

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी के सामने दुश्मन संघर्षविराम करने को मजबूर हुआ

जम्मू-कश्मीर के एलजी ने एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को किया संबोधित

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया के सामने गिड़गिड़ाया है। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो।

एलजी सिन्हा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिल गया होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।

एलजी ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है। उनहोंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे। बाद में सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हैं। सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया।

हिंदुस्तान आतंकवाद को तबाह करेगा- नवनीत राणा ने दी पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी

अमरावती। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद महाराष्ट्र के अमरावती में आयोजित तिरंगा यात्रा में भाजपा नेता नवनीत राणा ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने आतंकवाद को पनाह देना नहीं रोका तो हिन्दुस्तान ने भी ठान लिया है कि पाक प्रायोजित आतंकी ढांचे को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए नवनीत राणा ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत में हिन्दू-मुस्लिम के बीच झगड़े कराने के मकसद से पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम दिया और हमारे निर्दोष लोगों की उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी। आज मैं पाकिस्तान को बताना चाहती हूं कि हिंदुस्तान में रहने वाला हर नागरिक हिन्दुस्तानी है और हम हिन्दुस्तानी जब किसी का विरोध करते हैं तो आखिरी सांस तक दम नहीं लेते, जब तक कि विरोधी समाप्त न हो जाए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की पाकिस्तान की साजिश फेल हुई। भारत में रहने वाले सभी धर्मों के लोग एकजुट हैं और पीएम मोदी के साथ हैं। पीएम मोदी आतंकवाद को तबाह करने के लिए जो भी फैसले लेंगे पूरा देश उनके साथ है। भाजपा नेता ने आगे पाकिस्तान को लेकर कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका वजूद भारत की वजह से है। इसलिए, पहलगाम आतंकी हमले के बाद हर भारतवासी में गुस्सा है। अभी तो ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया है। अगर नहीं सुधरे तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। देशभर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

गिरिराज सिंह का आरोप- कांग्रेस को देशहित से नहीं, सिर्फ सत्ता से मतलब

बेगूसराय (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट करने के लिए सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएगा। आतंकवाद पर भारत के वैश्विक आउटरीच प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस सांसद शशि थरूर को शामिल किए जाने को लेकर कांग्रेस से ही आवाज उठाए जाने लगी है।

इस बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की वह पार्टी बनकर रह गई है जिसके अंदर सकारात्मक देशहित पर कोई जुबान ही नहीं खुलती। कोई सकारात्मक राजनीति हो, पॉजिटिव राजनीति हो ये चुप रहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस केवल निगेटिव राजनीति करती है। देश के बाहर भी ये भारत को बदनाम करते हैं। अब विदेशों में प्रतिनिधिमंडल जा रहा है और उसमें अगर शशि थरूर हैं तो इसमें राजनीति किस बात की है? शशि थरूर भी कांग्रेस के ही हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई इसमें दिखती है। कांग्रेस के अंदर अंदरूनी लोकतंत्र भी नहीं है और यह घटिया राजनीति पर उतर आई है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आज आतंकी देश बनकर रह गया है। भारत की सेना के शौर्य ने यह दिखा दिया है कि इस आतंकी देश को बर्बाद होने से कोई रोक नहीं सकता है। लेकिन भारत का जो दुश्मन देश पाकिस्तान है, उसका जो साथ देता है, उसके प्रति भी देश की जनता में आक्रोश है। चाहे कोई भी देश हो, दुश्मन की मदद करने वाला देश भारत का हितकर नहीं हो सकता है, तुर्की हो या जो भी हो।

केंद्र सरकार ने विदेश जाने वाले सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल सभी सदस्यों के नाम तय कर दिए हैं। ये प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों और अन्य प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करेंगे और देश की आतंकवाद विरोधी नीति, सैन्य कार्रवाइयों और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देंगे।

भतीजे पर एक बार फिर भरोसा, मायावती ने आकाश आनंद को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। मायावती ने आकाश आनंद पर भरोसा जताते हुए फिर बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर एक बयान भी जारी किया है।

इस बयान में बताया गया है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है, साथ ही उन्हें देश में पार्टी के आगे के कार्यक्रम भी दिए गए। उम्मीद है कि इस बार वह पार्टी और मूवमेंट के हित में, हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए, पार्टी को मजबूत बनाने में अपना सराहनीय योगदान देंगे।

बयान में आगे बताया गया है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती ने रविवार को बसपा ऑल इंडिया की हुई एक अहम बैठक में देशभर में संगठन की मजबूती और जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के लिए दिए गए कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करने के साथ ही 22 अप्रैल को घटित हुए पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में पाकिस्तान के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' की गौरवमय सैनिक कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जन और देशहित को प्रभावित होने से बचाने के लिए सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण की तरह आतंकी-निरोधक उपाय भी जरूरी हैं, ताकि सुहागों को उजड़ने से बचाने का दायित्व निभाया जा सके और इस क्रम में पाकिस्तान द्वारा परमाणु धमकी या ब्लैकमेलिंग को नहीं सहने की भारत सरकार की चेतावनी उचित कदम है। साथ ही, कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका और अन्य किसी भी तीसरे पक्ष की दखल को स्वीकार नहीं करने की राष्ट्रीय सहमति पर सख्ती से अमल करते रहना जरूरी है क्योंकि इस खास मुद्दे पर भी देश को अपने अलावा किसी और पर भरोसा नहीं करना चाहिए, तो यह बेहतर होगा। बसपा केंद्रीय कार्यालय 29 लोधी एस्टेट में ऑल इंडिया की हुई बड़ी बैठक को संबोधित करते हुए मायावती ने आतंकी घटनाओं को विकास में बाधक बताते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की चुनौतियों से निपटने के मामले में सेना और पूरे देश ने जो परिपक्वता दिखाई है, उसका नतीजा है कि पाकिस्तान को उसकी भाषा में सेना ने सबक सिखाया है और आगे ऐसा नहीं करने के लिए कड़ी चेतावनी भी दी जा रही है। ऐसे में यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने सुरक्षा उपायों से देश में घातक आतंकी घटनाएं अब किसी भी कीमत पर आगे नहीं होने दे। इसके साथ ही, उन आपराधिक जातिवादी और सांप्रदायिक तत्वों पर भी जरूर लगाम लगाएं, जो अपनी संकीर्ण, घृणित और विषैली भाषा और हरकतों से देश में शांति और आपसी भाईचारे के माहौल को जानबूझकर प्रदूषित करने में लगे रहते हैं।

उन्होंने कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की वरिष्ठ महिला अफसर को लेकर मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा की गई संकीर्ण सोच वाली अशोभनीय टिप्पणी ऐसी प्रवृत्तियां हैं, जिनको पार्टी स्तर पर भी सख्ती के साथ निपटना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान लेकर राज्य के उक्त वरिष्ठ मंत्री के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज कराकर कानून का राज स्थापित करने के प्रयास का स्वागत है।

दानिश के चक्कर में फंसी और पाकिस्तान के लिए जासूसी करने लगी ज्योति मल्होत्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिसार की ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में ज्योति की गिरफ्तारी कई खुफिया इनपुट के बाद हुई है। ज्योति के बनाए एक वीडियो में वह नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में आयोजित इफ्तार डिनर में शामिल हुई थी। यह वीडियो ज्योति की पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ कथित संलिप्तता का सबसे पुख्ता सबूत बन गया। ज्योति यहां पाक दूतावास के एक अधिकारी से ऐसे मिलती दिख रही है। इस मुलाकात से पता चला कि ज्योति उस अधिकारी से पहले भी मिल चुकी है। उस अधिकारी का नाम अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश है। इस पूरे मामले में मुख्य रूप से अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश का नाम सामने आया है, जिसे भारत सरकार ने जासूसी के आरोपों में पर्सोना नॉन ग्राटा (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर 13 मई को देश से निष्कासित कर दिया था।

अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश पाकिस्तान उच्चायोग में एक अधिकारी था। भारतीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, दानिश जासूसी गतिविधियों में संलिप्त था और उसने भारत की संवेदनशील जानकारी लीक की थी, जिसमें भारतीय सेना की गतिविधियों से संबंधित जानकारी शामिल थी। उसकी गतिविधियों के कारण भारत सरकार ने उसे पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया और 13 मई 2025 को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया।जांच के अनुसार, ज्योति मल्होत्रा ने पहली बार 2023 में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान की यात्रा की थी। वहां उसकी मुलाकात दानिश से हुई। भारत लौटने के बाद, उसने दानिश के साथ संपर्क बनाए रखा। दानिश की सिफारिश के बाद, उसने पाकिस्तान की दूसरी यात्रा की, जहां उसका परिचय अली अहसान से हुआ। अली ने ज्योति की पाकिस्तान में रहने और यात्रा की व्यवस्था की और उसे पाकिस्तानी खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों, जैसे शकीर और राणा शाहबाज से मिलवाया। ज्योति ने शकीर का नंबर अपने फोन में जट रंधावा के नाम से सेव किया था ताकि संदेह से बचा जा सके। अधिकारियों ने संकेत दिया कि उसने बाद में इन गुर्गों को संवेदनशील खुफिया जानकारी भेजना करना शुरू कर दिया।

ज्योति मल्होत्रा की संदिग्ध गतिविधियां

जांच के अनुसार, ज्योति ने पाकिस्तान की चार से अधिक बार यात्रा की थी, जिसमें 2023 में दो यात्राएं शामिल हैं। उसने व्हाट्सएप, टेलीग्राम और स्नैपचैट जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा। अधिकारियों का दावा है कि ज्योति ने भारतीय सैन्य ठिकानों और गतिविधियों से संबंधित संवेदनशील जानकारी शेयर की, जिसमें हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित जानकारी भी शामिल थी।

मैं पाकिस्तान नहीं जहन्नुम जाना ज्यादा पसंद करुंगा

बॉलीवुड के दिग्गज राइटर जावेद अख्तर ने कही दिल की बात

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज राइटर जावेद अख्तर ने बुक लॉन्च इवेंट में कहा कि अगर उनके पास पाकिस्तान और जहन्नुम यानी नरक में से किसी एक जगह जाने की चॉइस होगी तो वह जहन्नुम जाना ज्यादा बेहतर समझेंगे। जावेद अख्तर मुंबई में आयोजित बुक लॉन्च इवेंट में बोल रहे थे जहां उन्होंने बताया कि उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि उन्हें जो कुछ मिला है वो यहीं से ही मिला है और मुंबई, महाराष्ट्र की कर्मभूमि है जिसने उन्हें आज इतना कुछ दिया है।

जावेद अख्तर ने कहा कि तो नतीजा क्या होता है कि अगर आप एक तरफ से बात कर रहे हैं तो आप कुछ लोगों को नाखुश करेंगे, लेकिन अगर हर तरफ से बात कर रहे हैं तो बहुत ज्यादा लोगों को नाखुश करेंगे। कभी आप मिलिएगा अलग तो मैं आपको दिखाऊंगा अपना ट्विटर, अपना व्हाट्सऐप...जिसमें मुझे दोनों तरफ से गालियां मिलती हैं। ऐसा नहीं है कि मैं बहुत थैंकलेस हूं। बहुत से लोग तारीफ भी करते हैं, बहुत से लोग हिम्मत भी बढ़ाते हैं।

उन्होंने कहा लेकिन यह भी सच है कि मुझे इधर का एक्सट्रीमर भी गाली देता है और उधर का एक्सट्रीमर भी। यही सही है, अगर इनमें से एक ने गाली देना बंद कर दिया तो मुझे परेशानी हो जाएगी कि मैं क्या गड़बड़ कर रहा हूं। तो ये कहते हैं कि तू तो काफिर है और जहन्नुम में जाएगा। वह कहते हैं कि जिहादी..पाकिस्तान चला जा। अब अगर मेरे पास चॉइस सिर्फ पाकिस्तान और जहन्नुम, यानि नरक की है। तो मैं नरक ही जाना पसंद करूंगा। अगर यही बस चॉइस है।

जावेद अख्तर ने कहा कि मैं सिर्फ साढ़े उन्नीस साल का था जब मुंबई आया था आज जो कुछ बना, जो कुछ मुझे मिला, जहां भी पहुंचा, यह सब मुंबई की, महाराष्ट्र की कर्मभूमि से मिला। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जावेद अख्तर के बयान काफी चर्चा में रहे थे। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले जावेद अख्तर राजनैतिक और समसामयिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। कई लोग उनकी बातों को लेकर उन्हें ट्रोल करते हैं लेकिन वह किसी की भी परवाह किए बगैर अपना काम करते हैं।

संसद में अमित शाह ने ओवैसी को लेकर कही बात अब सच साबित हुई

-ओवैसी को ऑल पार्टी डेलिगेशन में शामिल करने पर पुराना वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर भारत का रुख बताने और पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारतीय डेलिगेशन का गठन सुर्खियों में है। इस टीम में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को भी शामिल किया है। ओवैसी को विपक्ष लगातार बीजेपी की बी टीम बताकर घेरता रहा है, लेकिन अब जब मोदी सरकार ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, तो बहस छिड़ गई है।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि सांसद ओवैसी ने अमित शाह से ही पूछ लिया कि 'मैं किसकी टीम का हिस्सा हूं।' उनके इस सवाल को सुनकर लोकसभा में मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं, फिर अमित शाह इसका हल्के-फुल्के अंजाद में जवाब देते हुए कहते हैं, ऐसा है ओवैसी जी मैं तो चाहता हूं कि आप अपनी स्वयं टीम बनाओज्अरे वो (विपक्षी) परेशान हैं इसलिए मैं कहता हूं कि आप अपनी टीम बनाओ- आपके मुद्दे हमेशा ही अलग रहते हैं।

अमित शाह ने यह बात संसद में कब कही थी, इसकी तारीख तो नहीं बताई जा सकती है, लेकिन आज टीम मोदी में ओवैसी का नाम शामिल करने के बाद यह क्लिप एक बार फिर वायरल हो रही है। लोग कह रहे हैं कि शाह की बात सच हो गई। ओवैसी पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे हैं और लगातार उस पर हमले कर रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से कई देशों के दौरे पर भेजे जा रहे ऑल पार्टी डेलिगेशन में शामिल किए जाने पर औवैसी ने कहा कि एक के सदस्य के तौर पर यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए उनके संदेश का सार होगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पाले आतंकवादियों के हाथों लंबे समय से निर्दोष लोगों की हत्या के बारे में दुनिया को बताना होगा। वहीं ओवैसी ने बीजेपी के 'बी टीम' कहे जाने के आरोपों को खारिज कर दिया है। ओवैसी ने कहा कि बीजेपी की सत्ता में वापसी मेरी वजह से नहीं, बल्कि विपक्ष की नाकामी की वजह से हुई है। ओवैसी ने कहा कि अगर मैं सिर्फ पांच सीटों पर चुनाव लड़ूं और बीजेपी की सीटें घटकर 240 रह जाएं तो फिर मुझे कैसे ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है?

ओवैसी ने आरएसएस पर भी हमला बोलते हुए कहा कि, आरएसएस की मंशा भारत को एक धार्मिक राज्य बनाने की है। वो बहुलवाद खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोर्ट में जो केस फाइल किए जा रहे हैं, उनके पीछे आरएसएस समर्थकों का हाथ है। अब जब ओवैसी को केंद्र सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है, तो विपक्ष के आरोपों को नया मुद्दा मिल गया है। हालांकि इसे एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा भी कहा जा सकता है, जिसमें कई दलों के सांसदों को विदेश यात्राओं पर भेजा जाता है।

हाउस टैक्स में वृद्धि, निवासियों में आक्रोश

साहिबाबाद। नगर निगम की तरफ से बिलों में वृद्धि होने की वजह से सोसायटी के लोगों ने रविवार को बैठक कर नगर निगम के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। इंदिरापुरम स्थित जयपुरिया सनराइज ग्रींस में लोगों ने बैठक आयोजित की। बैठक में लोगों ने नगर निगम कर बिलों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की गई।

वहीं, डॉ. तरुण, एओए सचिव ने लोगों की सेवाओं में सुधार के बिना वृद्धि के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। उन्होंने जीएनएन द्वारा दरवाजे-दरवाजे कूड़ा कलेक्शन की अनुपस्थिति को उजागर किया, जबकि एओए सीवरेज सफाई के लिए भुगतान करता है, और दोहरे कराधान के खिलाफ तर्क दिया। इंदिरापुरम सोसायटीज कोलैबोरेशन (आईएससी) के दो सदस्य, शिप्रा विस्टा से अरुण राय और शिप्रा नियो रोहित गुप्ता भी इस मौके पर मौजूद रहे।

जिला स्तरीय डार्ट प्रतियोगिता संपन्न

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : जिला डार्ट खेल संगठन गाजियाबाद की ओर से तीसरी जिला डार्ट प्रतियोगिता का राजनगर एक्सटेंशन अग्रवाल हाइट्स के क्लब में आयोजन किया गया जिसमें जिला गाजियाबाद विभिन्न वर्गों के 50 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया । गिरीश राजवंशी ने विधिवत फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया साथ में रोहित, सीएस शर्मा, राम सिसदिया अध्यक्ष उत्तर प्रदेश डार्ट संगठन, सत्येंद्र कुमार वर्मा प्रेसिडेंट जिला गाजियाबाद संगठन मौजूद रहे

प्रतियोगिता में किड्स वर्ग में बालकमें आर्यवीर सिंह चौहान स्वर्ण पदक, रियांश भार्गव रजत पदक, बालिका वर्ग में मुद्रा रस्तोगी ने रजत पदक,सब जूनियर वर्ग मे अभिनीत सिसोदिया स्वर्ण पदक, कार्तिक शर्मा रजत पदक, बालिका वर्ग में नव्या सिंह स्वर्ण पदक, जिनीषा भार्गव रजत पदक, जूनियर बालक वर्ग में सिद्धांत छौंकर स्वर्ण पदक , देव जीत राय रजत पदक, जूनियर बालिका वर्ग में सौम्या शर्मा स्वर्ण पदक , अनिष्का सिसोदिया रजत पदक, सीनियर पुरुष वर्ग म अंकुर गर्ग स्वर्ण पदक, नमन सरीन रजत पदक, सजल गुप्ता स्वर्ण पदक, महिला वर्ग मे कनिका सिसोदिया स्वर्ण पदक, इशिका ससोदिया रजत पदक, मास्टर्स पुरुष में राम सिसोदिया स्वर्ण पदक किशन कुमार रजत पदक, सुपर मास्टर्स में सत्येंद्र कुमार वर्मा स्वर्ण पदक, पमोद कुमार शर्मा रजत पदक, व चंद्रशेखर शर्मा ने कांस्य पदक जीता सुपरमस्टर महिला वर्ग मे रेणु बाला ने स्वर्ण पदक जीता।

इस प्रतियोगिता में से जिला गाजियाबाद के आठ खिलाड़ियों का चयन जून में होने वाली राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ।

डॉट संगठन के पदाधिकारी ने जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाइयां दी।

पीसीएस अधिकारी गंभीर सिंह का आजमगढ़ में तबादला

गाजियाबाद में एडीएम सिटी के पद पर थे कार्यरत, अपने कार्यकाल के दौरान निभाई थी अहम भूमिका

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रशासनिक स्तर पर किए गए एक अहम फेरबदल के तहत 2015 बैच के पीसीएस अधिकारी गंभीर सिंह का तबादला कर दिया गया है। अब तक गाजियाबाद में एडीएम सिटी के पद पर कार्यरत गंभीर सिंह को आजमगढ़ में एडीएम (वित्त एवं राजस्व) के पद पर नियुक्त किया गया है।

गंभीर सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान गाजियाबाद में शांति व्यवस्था बनाए रखने, कोविड प्रबंधन, भूमि विवादों के समाधान और प्रशासनिक समन्वय में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी सख्त प्रशासनिक कार्यशैली और समयबद्ध कार्य निष्पादन के कारण वे जिले के अधिकारियों और आम जनता के बीच सम्मानित अधिकारी माने जाते थे।

गंभीर सिंह के स्थान पर अब पीसीएस अधिकारी विनय कुमार सिंह गाजियाबाद के नए एडीएम सिटी का पदभार संभालेंगे।

विनय कुमार सिंह वर्तमान में प्रयागराज में तैनात थे और प्रशासनिक अनुभव के साथ वे कई जिलों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रयागराज में उनकी भूमिका सराहनीय रही है, विशेष रूप से कुंभ मेले जैसे बड़े आयोजनों में उनकी भागीदारी और प्रबंधन क्षमता की खूब सराहना हुई थी। अब गाजियाबाद में उनसे भी उसी कुशलता और तत्परता की उम्मीद की जा रही है।

4 देशों की यात्रा करेंगे सांसद अतुल गर्ग

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबादः जिले के सांसद अतुल गर्ग भी देश के 51 सांसदों की तरह ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत विदेशी धरती पर पाकिस्तान की पोल खोलने वालों में शामिल होने जा रहे हैं। उनका चयन स-ांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल में किया गया है। ये प्रतिनिधि मंडल यूएई समेत चार देशों की यात्रा करेगा और इस दौरान वहां की सरकार को पाकिस्तान की करतूतों से न सिर्फ रू-ब-रू कराएगा बल्कि उसके सबूत भी देगा।

यूं तो भारत सरकार सत्ता और विपक्ष के कुल 51 सांसदों-नेताओं और 8 राजदूतों के प्रतिनिधिमंडल को इस काम के लिए 33 देशों की यात्रा पर भेज रहा है। मगर जिस प्रतिनिधि मंडल में स्थानीय सांसद को शामिल किया गया है वो यूएई के अलावा लाइबेरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और सिएरा लियोन की यात्रा करेगा।

अपने फेसबुक अकाउंट से इस खबर को साझा करते हुए सांसद अतुल गर्ग ने लिखा ... राष्ट्र सर्वप्रथम मैं मा. प्रधानमंत्री श्री

NOrendra Modi जी, मा. गृहमंत्री श्री Amit Shah जी, मा. विदेश मंत्री श्री डॉ. एस जयशंकर जी, मा. संसदीय कार्य मंत्री Kiren Rijiju जी और केंद्र सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने मुझे संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और सिएरा लियोन की यात्रा करने वाले विभिन्न राजनीतिक दलों के स-ांसदों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने की जिम्मेदारी सौंपी है। सांसद ने आगे अपनी पोस्ट में लिखा कि जब भारत की बात आती है, तो राजनीतिक दलों के बीच कोई सीमा नहीं होती, केवल राष्ट्रीय हित होता है। मैं दृढ़ संकल्प के साथ सेवा करने और आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की शून्य सहनशीलता को बनाए रखने की प्रतिज्ञा करता हूं।

जय हिंद! भारत माता की जय!

आतंकवाद के खिलाफ समस्त राजनैतिक दल एवं धार्मावलंबि एक जुट, यही है नया भारत- सच्चिदानंद

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबादः सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रवादी संगठन द्वारा राष्ट्र के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा ने कहा कि सरकार और सेना ने जिस तरह सुनियोजित ढंग से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को कुचलने का काम किया है इससे पूरे विश्व में भारत को एक नई पहचान दी है । उनका संगठन सैल्यूट तिरंगा पूरे देश में ही नहीं अपितु विश्व के 15 देशों में तिरंगे के मान सम्मान और स्वाभिमान के लिए 365 दिन कार्य कर रहा है। संपूर्ण भारत में सेना के शौर्य सम्मान के लिए संगठन द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जा रही हैं। सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन सच्चिदानंद पोखरियाल ने कहा कि हमारा देश भारत सदैव से शांति का पक्षधर रहा है । आज ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत पाकिस्तान के भीतर घुसकर यदि आतंकवाद को कुचलने का काम कर रहा है तो इससे विश्व समुदाय को यह समझ लेना चाहिए कि यह भारत की ओर से की गई क्रिया नहीं अपितु जवाब में दी गई प्रतिक्रिया का परिणाम है । भारत विश्व के समस्त देशों की संप्रभुता का सम्मान करता है किंतु शांति स्थापित करने के लिए यदि दूसरे देश के भीतर घुसकर युद्ध भी लड़ना पड़े तो इसके लिए नया शक्तिशाली भारत सामर्थवान है। पहलगाम 22 अप्रैल को इस्लामिक आतंकवाद ने धर्म पूछ कर जिन 28 हिंदुओं की हत्या की वह केवल व्यक्तियों की हत्या नहीं वरन हिंदुस्तान की सनातन संस्कृति, हिंदू आईडेंटिटी और हिंदू आईडियोलॉजी पर प्रहार है। इस अमानवीय और असहनीय नृशंश हत्या कांड ने देश के भीतर समस्त राजनैतिक दलों एवं धर्मावलंबियों को इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ एकजुट किया है, यह भारत की सबसे बड़ी जीत है। आज भारत की सैन्य शक्ति ने युद्ध के क्षेत्र में नई तकनीक का परीक्षण कर विश्व भर में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी बृजपाल तेवतिया ने कहा कि आज भारत को अपनी शक्ति पीओके को वापस लेने और पाकिस्तान के भीतर छिड़े गृह युद्ध को कूटनैतिक प्रयासों से पाकिस्तान को टुकड़ों-टुकड़ों में विभाजित करने के लिए झोंक देनी चाहिए। संगोष्ठी में उपस्थित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी रमेश चंद्र शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान भारत के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण मानवता के लिए खतरा है।

गोष्ठी में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा , राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सच्चिदानंद पोखरियाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजपाल तेवतिया, राष्ट्रीय संयोजक स्वच्छ भारत अभियान महंत डॉ॰ गिरिजानंदिनी गिरी, राष्ट्रीय मंत्री सुनील कोठारी, शीला दुबे भारती, प्रिया बिष्ट, ममता झा एवं अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे । संगोष्ठी के अंत में बृजपाल तेवतिया जी की स्वर्गवासी माताजी के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संगोष्ठी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 25 मई के दिन सैल्यूट तिरंगा संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली में संगठन के आगामी कार्यक्रमों के सापेक्ष में राष्ट्रव्यापी मीटिंग आहूत की जाएगी।

डेढ़ महीने से अटके हुए हैं सोसायटी के चुनाव

सोसायटी के चुनाव एक महीने के बाद भी नहीं कराने पर डिप्टी रजिस्ट्रार को सौंपा ज्ञापन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित जीएच-7 सोसायटी के निवासियों ने शनिवार को डिप्टी रजिस्ट्रार के कार्यालय पहुंचकर जल्द से जल्द सोसाइटी के एओए के चुनाव कराने की मांग की है। इस दौरान प्रगति शारदा के नेतृत्व में सुमित श्रीवास्तव, शहनाज खान, राम सिंह और सुनील सिंह आदि ने डिप्टी रजिस्ट्रार को आठ सूत्रीय ज्ञापन भी सौंपा।

शनिवार को जीएच-7 सोसायटी के निवासियों ने डिप्टी रजिस्ट्रार द्वारा नामित चुनाव अधिकारी जिला कुष्ठ अधिकारी के कार्यालय जाकर बीती 10 मई को आयोजित मीटिंग में सोसायटी के निवासियों द्वारा उनके समक्ष रखे गए बिंदुओं और सुझाव पर की गई अग्रिम कार्यवाही की जानकारी मांगी। साथ ही जल्द से जल्द एओए के चुनाव संपन्न करवाने का निवेदन किया। चुनाव अधिकारी ने भी जल्द ही अग्रिम कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। इसके बाद सभी लोगों ने डिप्टी रजिस्ट्रार त्रृषभ अग्रवाल से मिलकर उन्हें आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने सोसायटी के चुनाव के सभी कार्यक्रमों जैसे चुनाव आयोग का गठन, नया सदस्यता अभियान, सुधार या छूटे हुए सदस्यों के लिए आपत्ति समय-सीमा, नामांकन की संभावित तिथि, नामांकन वापसी और चुनाव की तिथि के लिए चुनाव का समय और तिथि अनुसूची जारी करने, अपार्टमेंट मालिकों को एओए के आधिकारिक वॉट्सएप ग्रुप में जोड़ने, कालातीत एओए के दो सदस्यों प्रगति शारदा एवं सुनील कुमार को सभी एओए के बोर्ड व आधिकारिक वॉ-ट्सएप ग्रुप में जोड़ने, एसोसिएशन के 2025 के चुनाव के लिए नए सदस्यों को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान की समय-सीमा तय करने, 13 जनवरी 2024 के बाद मतदाता सूची को मान्य और सही करने के लिए चुनाव समिति का गठन, चुनाव से संभावित अनुमानित व्यय विवरण की जानकारी जारी करने, चुनाव के लिए नामांकन शुल्क का निर्धारण करने और दैनिक रखरखाव के व्यय के अलावा किसी भी नए या अन्य कार्य पर सोसायटी की राशि खर्च न करने और अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाने की मांग की है।

सोसायटी निवासी और एओए की बोर्ड मेंबर रही प्रगति शारदा ने बताया कि डिप्टी रजिस्टार ने एक महीने ने चुनाव का आदेश दिया था लेकिन डेढ़ महीने बीत जाने के बाद भी सोसायटी में चुनाव नहीं हुए हैं। हम सभी की मंशा है कि जल्द से जल्द और निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराए जाएं ताकि सोसायटी में रुके हुए जरूरी कार्यों को प्रारंभ कराया जा सके।

गृहकर मे तीन गुना वृद्धि पर पुन: विचार करे नगर निगम- तेजेन्द्र पाल त्यागी

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : रविवार को कोरवा यूपी के शीर्ष पदाधिकारियों की एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम द्वारा गृह कर में तीन गुना वृद्धि किये जाने को लेकर विरोध जाहिर किया गया।

कोरवा यूपी की ऑनलाइन बैठक में मुख्य संरक्षक कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रत्येक दो वर्ष के बाद दस प्रतिशत की वृद्धि होती रही है। अब अचानक गृहकर मे करीब तीन गुना वृद्धि बिलकुल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम के पास फंड और कोष बढ़ोतरी के साधनों की कमी नहीं है। संपत्तियो के पंजीकरण से भी नगर निगम को अच्छी खासी कमाई होती है। वहीं यदि सुविधा की बात की जाए तो वर्तमान में न तो पीने के पानी की मात्रा और गुणवत्ता में सुधार हुआ है और न ही कूड़ा निस्तारण और अतिक्रमण हटाने के लिए ही कार्य हो रहा है। ऐसे मे गृहकर मे वृद्धि अनावश्यक और असहनीय है।

कोरवा-यूपी के अध्यक्ष डॉ पवन कौशिक ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद नगर निगम में करों की दर सबसे ज्यादा चार रुपये प्रति वर्ग फुट है, जबकि अन्य शहरो में ढाई रुपए से भी कम है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार पूर्व करों में वृद्धि दुगने से अधिक नहीं हो सकती। मुख्य सलाहकार ने बताया कि नगर निगम द्वारा वर्ष 2023-24 में सम्पत्ति करों की वर्तमान दरों में दस प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है जो वर्ष 2024-2025 तक लागू रहेगी। इस अवधि में अन्य किसी भी प्रकार की वृद्धि किया जाना नगर निगम अधिनियम के विपरीत होगा। बैठक में विशेष अतिथि के रूप में मौजूद गाजियाबाद नगर निगम के पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने बताया कि नगर निगम द्वारा डीएम सर्किल रेट आधारित गृह कर में वृद्धि नगर निगम नियमों का घोर उलंघन है।

उन्होंने बाकायदा नियमो की संख्या, नगर निगम की बैठकों का विवरण और उत्तर प्रदेश शासन के आदेशो का मनमाने तरीके से लागू करने का उल्लेख करते हुये नगर निगम के गृह कर वृद्धि के आदेश को वापस लेने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने यह भी बताया की डी एम सर्कल रेट की बजाय किराये की वर्तमान न्यूनतम दर को भी आधार बनाया जा सकता है, उत्तर प्रदेश से अवस्थापना निधि के रूप मे अतिरिक्त धन राशि ली जा सकती है, सरकारी प्रतिष्ठानो से संपत्तिकर वसूला जा सकता है।

महासचिव जय दीक्षित ने कहा कि यदि भवन दस वर्ष से अधिक पुराना नहीं है तो 25 प्रतिशत कम और यदि वह दस वर्ष से अधिक किन्तु बीस वर्ष से कम पुराना है तो 32.5 प्रतिशत कम और यदि वह बीस वर्ष से अधिक पुराना है तो 40 प्रतिशत कम गृह कर होना चाहिए परंतु ऐसा नहीं किया गया है। प्रशासनिक कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया की अगर कवर्ड ऐरिया का रेट एक रुपए प्रति वर्ग फुट है तो कारपेट ऐरिया का रेट 0.80 पैसे प्रति वर्ग फुट होना चाहिए लेकिन नगर निगम के अधिकारी बहुत ज्यादा वसूल रहे हैं।

गौरव बंसल ने बताया की लोगों को पिछले गृहकर के मुकाबले तीन गुना ज्यादा बिल मिल रहा है जबकि समस्याए मुंह उठाये खड़ी है। अंत मे सभी सदस्यो ने नगर निगम को वर्तमान आदेश पर पुन:विचार करने तक गृहकर न जमा करने की बात कही है।

इस ऑनलाइन बैठक में डॉ पवन कौशिक, जय दीक्षित, कैलाश चंद्र शर्मा, डॉ आर के आर्या, पी एस सिंह, आलोक सिंह, एड. अंशु त्यागी, मुलेन्द्र शर्मा, विनोद जिंदल, डॉ मधु सिंह, नेम पाल चौधरी, राज कुमार त्यागी, गौरव बंसल, राजेन्द्र त्यागी आदि मौजूद रहे।

20 मई को धूमधाम से मनाया जाएगा जीवन आशा हॉस्पिटल का छठवॉं स्थापना दिवस

15 से 20 मई तक चल रहा है कैंसर रोगियों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : जीवन आशा अस्पताल एवं पुनर्वास केंद्र के छठवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आचार्य सौरभ सागर महाराज के आशीर्वाद से 15-20 मई तक कैंसर रोगियों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। 20 मई को धूमधाम से जीवन आशा हॉस्पिटल का स्थापना दिवस मनाया जाएगा इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल एवं केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री के उपस्थित रहने की भी पूर्ण संभावना है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह मूल नायक श्री मंशापूर्ण महावीर स्वामी का अभिषेक एवं विश्व शांति हेतु महाशांति धारा होगी इसके उपरांत चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण, डॉक्टरों एवं सम्मानित अतिथियों का परिचय एवं सम्मान के उपरांत आचार्य श्री सौरभ सागरजी महाराज के मंगल प्रवचन होंगे।यह जानकारी जैन समाज के प्रवक्ता अजय जैन व जीवन आशा हॉस्पिटल के चेयरमैन संजय जैन ने संयुक्तरूप से दी।

उन्होंने आगे बताया कि सौरभ सागर सेवा संस्थान द्वारा संचालित जीवन आशा अस्पताल ने पिछले छह वर्षों में जनसेवा के क्षेत्र में सराहनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 20 मई को अस्पताल में कैंसर रोगियों के लिए उपचार सेवाओं का शुभारंभ किया जाएगा जो संस्थान की ओर से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नया और सराहनीय कदम होगा। जीवन आशा अस्पताल की पहचान एक चैरिटेबल हॉस्पिटल के रूप में है, जो विशेष रूप से दिव्यांगजनों के इलाज और कृत्रिम अंगों के निर्माण व नि:शुल्क वितरण के लिए समर्पित है। पिछले 6 वर्षों में अभी तक कई हजार दिव्यांगों को कृत्रिम अंग निशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। जिसका दिव्यांगों ने लाभ उठाकर विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन किया है।अस्पताल में विभिन्न रोगों जैसे हड्डी रोग, नेत्र, दंत, श्वसन, बाल एवं स्त्री रोग, हृदय रोग आदि की ओपीडी सेवाएं रियायती शुल्क पर नियमित रूप से उपलब्ध हैं।

संस्थान ने इस वर्ष से 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा सेवा शुरू करने की योजना भी घोषित की है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में रोगियों को तुरंत इलाज मुहैया कराया जा सके। संस्थान का उद्देश्य - सेवा ही धर्म है के आधार पर लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है।यह सब आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज की प्रेरणा से ही संभव हो पा रहा है।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा संस्कृत संगोष्ठी संपन्न

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद : उ.प्र. संस्कृत संस्थान- लखनऊ (भाषा विभाग उ.प्र. शासन के नियंत्रणाधीन) एवं आर्य समाज, पुराना गांधी नगर,गाजियाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आधुनिक सन्दर्भ में संस्कृत की उपयोगिता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन वेद पाठ,प्रार्थना तथा दीप प्रज्ज्वलित कर समाज के सभागार में किया गया। योगी प्रवीण आर्य एवं मा. हरवीर सिंह के मधुर भजनों को सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। मुख्य वक्ता डा भगवान देव आचार्य ने कहा कि संस्कृत,भारत को एकता के सूत्र में बाँधती है संस्कृत का साहित्य अत्यन्त प्राचीन,विशाल और विविधतापूर्ण है। इसमें अध्यात्म, दर्शन, ज्ञान-विज्ञान और साहित्य का खजाना है इसके अध्ययन से ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति को बढ़ावा मिलेगा।

कु. प्रियंका ने कहा कि वेद मंत्र के गायन एवं संस्कृत में बात करने से व्यक्ति को ब्लड प्रेशर, मधुमेह,सिर दर्द और मस्तिष्क रोग से जूझने में सहायता मिल सकती है।

मुख्य अतिथि के रूप में पधारे डा आर के आर्य (निदेशक,स्वदेशी शुद्ध आयुर्वेद) एवं श्रीमती संतोष आर्या ने संस्कृत के विद्वानों एवं विदुषियों को शाल ओढाकर, पीतवस्त्र पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा आयोजकों की सुन्दर कार्यक्रम के लिए भूरी भूरी प्रशंसा की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि संस्कृत संस्कृति संरक्षण और आत्मसात की संस्कृति है, जो मानवतावाद, शांति और आपसी समझ का सदेश फैलाती है।

इस अवसर पर संस्कृत विद्वान डॉक्टर देव शर्मा ने आधुनिक संदर्भ में संस्कृत की उपयोगिता विषय पर अपने विचार रखें एवं संस्कृत विद्वान आचार्य खेमचंद शर्मा ने अपना उद्बोधन धारा प्रवाह संस्कृत में दिया।

डा प्रतिभा सिंघल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संस्कृत का ज्ञान भारतीय दर्शन,योग और वैदिक गणित जैसे विषयों में निपुण होने के लिए आवश्यक है। मंच का कुशल संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ अग्नि देव शास्त्री (प्रशिक्षक,उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान) द्वारा किया गया। आर्य समाज गांधीनगर के मंत्री वेदव्यास ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अन्नू महाजन, सत्यपाल आर्य,उदय प्रकाश गुप्त, नरेंद्र आर्य, डॉ प्रमोद सक्सेना,सत्य केतु सिंह एडवोकेट, वीणा सिंघल, रवि बब्बर आदि उपस्थित रहे। शांति पाठ एवं प्रीतिभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

एसपी ने कैराना में फोर्स के साथ किया पैदल मार्च

भारत का बदलता शासन

कैराना। एसपी शामली रामसेवक गौतम ने कैराना पहुंचकर पुलिस व पीएसी बल के साथ में पैदल मार्च किया। उन्होंने लोगो से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा आपसी सौहार्द को बरकरार रखने की अपील की। रविवार को भारत-पाकिस्तान के मध्य सीजफायर का अंतिम दिन होने के चलते पुलिस-प्रशासन इलाके में अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। एसपी शामली रामसेवक गौतम रविवार दोपहर करीब 12 बजे कैराना पहुंचे। जहां पर उन्होंने पुलिस व पीएसी बल को साथ लेकर कस्बे के चौक बाजार से पैदल मार्च शुरू किया। इस दौरान वह कस्बे के सरार्फा बाजार, जोडवा कुआं, जामा मस्जिद, निर्मल चौराहा आदि स्थानों से होते हुए मुख्य मार्ग पर पहुंचे। उन्होंने लोगो से वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर एकजुटता का परिचय देने तथा आपसी सौहार्द को कायम रखने की अपील की। एसपी ने अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती के साथ निपटने की चेतावनी दी है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने व मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए है। पैदल मार्च के दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह व किलागेट पुलिस चौकी प्रभारी एस-Iआई आनंद कुमार आदि मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि भारत-पाकिस्तान के मध्य रविवार को सीजफायर का अंतिम दिन होने के चलते पुलिस-प्रशासनअतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि कानून-व्यवस्था के मद्देनजर कस्बे में पैदल भ्रमण किया गया है।

अपर जिलाधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए एसडीएम कैराना

भारत का बदलता शासन

कैराना। कैराना एसडीएम स्वप्निल कुमार यादव पदोन्नत होकर एडीएम बन गए है। शासन ने उन्हें चित्रकूट में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। विगत 22 माह से कैराना एसडीएम के पद पर तैनात डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल कुमार यादव पदोन्नत होकर एडीएम बन गए है। अब वह अपर जिलाधिकारी के तौर पर चित्रकूट में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

पदोन्नति के पश्चात प्रदेश सरकार ने उन्हें नया उत्तरदायित्व सौंपा है। स्वप्निल कुमार यादव प्रांतीय सिविल सेवा-2019 बैच के अधिकारी है। डिप्टी कलेक्टर के तौर पर उन्हें प्रथम तैनाती अयोध्या जनपद में मिली थी। जहां पर वह करीब पौने चार वर्ष तैनात रहे है। इसके अलावा, कैराना एसडीएम बनने से पूर्व वह करीब तीन माह तक जनपद बलरामपुर में भी अपनी सेवाएं दे चुके है। स्वप्निल कुमार यादव मृदुभाषी एवं मिलनसार व्यवहार के पीसीएस अधिकारी के रूप में जाने जाते है।

दर्दनाकः डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार, दादी-पोती की मौत

:- हादसे में महिला समेत तीन लोग गम्भीर रूप से हुए घायल

:- हरिद्वार से कार में सवार होकर पानीपत वापिस लौट रहे थे एक ही परिवार के छह लोग

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

कैराना। नेशनल हाइवे-709एड़ी पर गांव मवी-हैदरपुर के सामने स्थित फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार में सवार दादी व पोती की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि महिला समेत तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रविवार को हरियाणा के जनपद पानीपत के थाना इसराना के गांव बांध निवासी सिंघराम अपनी पत्नी पिंकी, माँ लक्ष्मी देवी(75), पुत्री वाणिका(03) तथा परिवार के ही रितेश व पुनीत के साथ में कार में सवार होकर हरिद्वार से अपने गांव वापिस लौट रहे थे। कार को सिंघराम ड्राइव कर रहा था। शाम करीब साढ़े पांच बजे जैसे ही वह पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय मार्ग-709एड़ी पर गांव मवी-हैदरपुर के सामने स्थित फ्लाईओवर पर पहुंचे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क पर बने डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तथा कार में सवार लोगो में चींख-पुकार मच गई। मामले की सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने राहगीरों की सहायता से हादसे में घायल हुए लोगो को एम्बुलेंस-108 के द्वारा उपचार के लिए कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने गम्भीर रूप से घायल लक्ष्मी देवी व वाणिका को मृत घोषित कर दिया। जबकि हादसे में घायल हुए पुनीत, रितेश व पिंकी को गम्भीर हालत के चलते हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पंचायतनामा भरने के पश्चात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह का कहना है कि सड़क हादसे में कार में सवार हरियाणा की एक बुजुर्ग महिला व उसकी तीन वर्षीय पौत्री की मौत हो गई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

डीएम ने तहसील बेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी समस्याएं

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 06 शिकायतों का मौके पर ही हुआ त्वरित निस्तारण

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs
अशोक शर्मा

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा तहसील बेहट में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए हुए लोगों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण हेतु राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर समय से कार्यवाही की जाए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण की दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं।

डीएम ने निर्देश दिए कि जिला स्तरीय अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। इसी के साथ प्रतिदिन अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक जनसुनवाई करते हुए शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री रोहित सिंह सजवाण ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के संदर्भ में कहा कि शिकायतों का गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण किया जाए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विद्युत, जल निगम, आपूर्ति, सिंचाई, विकास, लोक निर्माण, जिला पंचायत एवं अन्य विभागों की कुल 101 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 06 को मौके पर ही त्वरित रूप से निस्तारित कर दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उपजिलाधिकारी बेहट मानवेन्द्र सिंह, तहसीलदार बेहट सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोबाइल की दूकान में लगी आग से लाखों रुपए का नुकसान, कस्बे के व्यापारियों द्वारा पीड़ित को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग

भारत का बदलता शासन

सहारनपुर बिहारीगढ़ः कस्बे के बुग्गावाला रोड स्थित दूसरी मंजिल पर संचालित मोबाइल फोन की दूकान में सुबह करीब पांच बजे आग लगी देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया, इस आगजनी में लाखों रुपए के मोबाइल फोन सहित रिपेयरिंग करने वाले उपकरण जलकर नष्ट हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों से मिलीं जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह कस्बे के बुग्गावाला रोड स्थित मालिक कम्युनिकेशन नाम से बिलाल मालिक पुत्र ताहिर हसन निवासी ग्राम थापुल की दूसरी मंजिल पर मोबाइल की दुकान में सुबह करीब पांच बजे लोगो ने आग लगी हुई देखी तो हड़कंप मच गया। तुरंत घटना की सूचना दूकान मालिक को दी तो वह चाबी लेकर मौके पर पहुंचा, बताया जा रहा है कि चाबी से शटर नहीं खुला तो गैस कटर वाले को बुला कर शटर खोला गया। उसके बाद देखा तो इस अग्निकांड में दुकान पर रखा सभी सामान जलकर राख हो गया था। आशंका जताई जा रही है कि दूकान में आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी है। दूकान में आग लग जाने की सूचना मिलते ही तुरन्त हल्का लेखपाल अमित कुमार खटाना भी बिहारीगढ़ पहुंचे और दूकान में आगजनी से हुए नुकसान की जांच पड़ताल की। बताया जा रहा है कि कई लाख रूपए के मोबाइल फोन सहित रिपेयरिंग करने वाले उपकरण भी जलकर नष्ट हो गए है। हल्का लेखपाल अमित कुमार ने बताया कि रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी गई है। पीड़ित दूकान मालिक के पास इसके अलावा कोई दूसरा रोजगार का साधन भी नहीं है। कस्बे के व्यापारी नेता नमन खुराना, कुलदीप वर्मा, सचिन सैनी, गुरमीत सिंह राठौर, अंकित चौहान, संदीप वर्मा, अरविंद राठौर आदि ने जिलाधिकारी सहारनपुर से पीड़ित को आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

ऐसे हैवानों पर हो कड़ी कार्यवाहीः विकास त्यागी

भारत का बदलता शासन

सहारनपुरः तल्हेडी बुजुर्ग क्षेत्र के गांव में गैर सम्प्रदाय के युवक द्वारा मासूम बच्ची को अपनी हैवानियत का शिकार करने का प्रयास किया गया, मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस द्वारा आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। तल्हेडी बुजुर्ग क्षेत्र के एक गांव में पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ मुस्लिम समुदाय के युवक द्वारा दुष्कर्म करने की कोशिश का मामला प्रकाश में आया है।शुक्रवार को देर शाम पीड़ित परिवार ने आरोपी युवक के विरुद्ध तल्हेडी बुजुर्ग चौकी में नामजद तहरीर देते हुए बताया कि हमारी पांच वर्षीय बच्ची को सारिक पुत्र गुलशेर निवासी धर्मपुर सरावगी घर से बहला फुसलाकर ले गया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। बच्ची ने घबराकर चिल्लाना शुरू किया तो परिजनों को आता देख आरोपी युवक वहां से भाग निकला। परिजनों ने मासूम बच्ची से पूरी घटना की जानकारी ली। तत्पश्चात पीड़ित परिवार सैकड़ों लोगों के साथ तल्हेडी चौकी पर पहुंचे और पुलिस से आरोपी युवक के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने के लिए गुहार लगाई। उधर घटना की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के नेता विकास त्यागी अपने कार्यकताओं अमित त्यागी, कार्तिक त्यागी और चौधरी विनय कुमार के साथ देवबंद कोतवाली पहुंचे और हैवान युवक के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। विकास त्यागी ने घटना पर रोष प्रकट करते हुए कहा कि आरोपी युवक जेहादी मानसिकता का है। जिसने पांच वर्षीय हिन्दू बच्ची को अपनी हवश का शिकार बनाने का प्रयास किया है। ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रशासन को सख्त कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। उन्होंने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर उन्हें हर सम्भव मदद का आश्वासन देते हुए कहा है कि उच्च अधिकारियों से वार्ता हुई है जिन्होंने दोषी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की बात कही है।मामला अलग अलग समुदाय का होने के कारण गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जिसको देखते हुए देवबंद कोतवाल धर्मेन्द्र कुमार व तल्हेडी चौकी प्रभारी अजय कसाना ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। देवबंद कोतवाल ने बताया कि आरोपी युवक के विरुद्ध गम्भीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उसे जेल भेज दिया गया है।

बीएल वर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना ग्रामीण प्रतिभाओं को संबल देने की एक सराहनीय पहल

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सीतापुर (राकेश पाण्डेय)। शिक्षा क्षेत्र में आर्थिक रूप से पिछड़े एवं मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई बृजमोहन लाल वर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा आज नंदकिशोर कैलाश चंद महाविद्यालय में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।इस परीक्षा में कुल तीन सौ छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर न केवल अपनी शैक्षिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि उच्च शिक्षा की दिशा में एक सशक्त कदम भी बढ़ाया।

परीक्षा समन्वयक राहुल वर्मा ने बताया कि इस योजना का परिणाम आगामी पांच जून को घोषित किया जाएगा। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं अनुशासन की सराहना की और कहा कि इस योजना का लाभ निश्चित ही ग्रामीण क्षेत्र के उन होनहार छात्रों को मिलेगा जो संसाधनों की कमी के कारण आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते।

बृजमोहन लाल वर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा सफलतापूर्वक हुई सम्पन्न

गौरतलब है कि इस छात्रवृत्ति योजना की शुरूआत वर्ष 2024 में लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट डीन (सीडी सी)एवं प्रख्यात शिक्षा विद् डॉ. सुधाकर वर्मा द्वारा की गई थी। उन्होंने इसे इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को ग्रेजुएशन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया था।परीक्षा केन्द्र पर छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

बात करने पर अनेक छात्र-छात्राओं ने इसे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर बताया बृजमोहन लाल वर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना एक ऐसी संवेदनशील पहल है, जो प्रतिभा और परिश्रम के बीच की आर्थिक खाई को पाटने का कार्य कर रही है।

यह परीक्षा केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के शिक्षार्थियों के सपनों की उड़ान का माध्यम बन रही है।

श्रीरामलीला कार्यशाला मंचन का हुआ समापन

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। अन्तर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान,अयोध्या,संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, संस्कार भारती और एडलीडर्स उत्तर प्रदेश के सहयोग से जनपद सीतापुर के प्राथमिक विद्यालय सहजापुर मे छः से प्रारंभ हुए श्री रामलीला कार्यशाला के आयोजन का समापन सत्रह मई को किया गया।

श्रीरामलीला का मंचन आज सत्रह मई को प्राथमिक विद्यालय सहजापुर में समन्वयक अभिषेक शुक्ला के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

आज के कार्यक्रम का शुभारम्भ मां शारदे की पूजन व वंदना से किया गया।वंदना गीतशिक्षिका अर्चना मिश्रा ने प्रस्तुत किया।श्रीरामलीला मंचन के अन्तर्गत प्रशिक्षक श्रीमती दीपा,सह प्रशिक्षक संदीप शुक्ला व रीता देवी के कुशल निर्देशन में बच्चों द्वारा प्रभु श्रीराम वन गमन, शबरी की प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था,प्रभु श्रीराम और जानकी का पुष्प वाटिका प्रसंग,राम रावण युद्ध आदि प्रसंगों पर नाट्य मंचन किया गया। छात्रा अनन्या सिंह और कल्पना द्वारा प्रभु श्रीराम की महिमा व श्रीराम चरित मानस के महत्व पर गीत प्रस्तुत किया गया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी महोली वीरेंद्र कुमार पाण्डेय द्वारा उपस्थित सभी बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया।कार्य क्रम में बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार आदि वितरित किए गए।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सत्येंद्र शुक्ला, पूर्व ब्लाकअध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ शरद मिश्रा, शिक्षक आलोक मिश्रा, अनिल मिश्रा,सरनाम वर्मा, अर्जुन लाल, अतुल बाजपेई,शिवशंकर शर्मा, मोहम्मद इरफान जफर रिजवी, डीएलएड प्रशिक्षु अभय मिश्रा, शिक्षिका अर्चना मिश्रा, गरिमा मिश्रा,वंदना तिवारी,सुजाता कनौजिया,विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष रामरतन मौर्य सहित अभिभावक व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

साधू की हुई मौत के बाद साधु संतों में आया उबाल आर्मी मैदान में प्रदर्शन कर पैदल मार्च निकालकर सौंपा ज्ञापन

संतों ने खैराबाद थानाध्यक्ष को हटाने की उठाई मांग

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सीतापुर (राकेश पाण्डेय)। जिले के थाना खैराबाद क्षेत्र में तीन दिन पूर्व दुकानों का किराया वसूलने को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प होने पर दुकान दारों द्वारा की गई पिटाई से इलाज के दौरान एक साधू की मौत के मामले में रविवार को जिले के संतों ने प्रदर्शन कर आक्रोश जताते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।

बताते चलें कि आर्मी मैदान से पैदल मार्च निकालते हुए करीब एक दर्जन से अधिक साधू- संतों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कई मांगे उठाई गई है।

आपको बताते दें कि जिले के थाना खैराबाद क्षेत्र के बड़ी संगत के बाहर दुकानों को लेकर विवाद हिंसक हो गया। गुरुवार को कुछ साधु दुकान खाली कराने पहुंचे।इस दौरान दुकान दार और साधुओं के बीच मारपीट की घटना घटित हुई।घटना में अस्सी वर्षीय शुक्ला बाबा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु की खबर पाकर साधु संतों में उबाल आ गया।

वहीं इस मामले में तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आधा दर्जन लोगों को नामजद किया था तथा उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

इसके बावजूद आक्रोशित साधु संतों ने चौरासी कोसीय मिश्रिख नैमिषारण्य मेला परिक्रमा समिति के बैनर तले एक दर्जन से अधिक साधु संत शहर के आरएमपी डिग्री कालेज के सामने स्थित आर्मी मैदान पर एकत्रित हुए और पैदल मार्च करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जहां पर सभी ने पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी मांगों से सम्बन्धित एक ज्ञापन उन्हें सौंपा।जिसमें खैराबाद थानाध्यक्ष को तत्काल हटाए जाने, विवादित संगत की जमीन का निपटारा कराने, आरोपियों को जेल भेजे जाने के साथ साथ महंत की सुरक्षा को लेकर मांग की गई।

इस मौके पर महंत बज रंग मुनि, महंत संतोषदास खाकी, महामंडलेश्वर सदा शिवानंद,महंत नारायण दास, महंत अनंत देव, महंत विद्यादास,महंत पगलानंद बाबा, महंत रमाणीदास,विमल बजरंगी समेत अनेकों साधु संत मौजूद रहे। इस सम्बन्ध में जब थानाध्यक्ष अनिल कुमार से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज हो चुका है।नामजद आरोपियों को पहले ही दिन हिरासत में ले लिया गया था। चूंकि घटना विवेचाधीन है इसलिए पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए जाने वाले लोगों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद धाराओं में बढोत्तरी की जाएगी।

मनाई गई स्व. बीएन सिंह की छब्बिसवीं पुण्यतिथि

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

सीतापुर/राकेश पाण्डेय। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में इकाई जनपद सीतापुर के द्वारा संस्थापक सदस्य रहे स्व०बी एन सिंह की छब्बिसवीं पूण्य तिथि आज अठारह मई 2025 को जिले के लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड चार में मनाई गई।

इस कार्यक्रम में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश,जनपद के इं शिव प्रताप यादव जिला संयोजक,इं उमेश चंद्र गुप्ता जिला सहसंयोजक इं अभिषेक वर्मा, जनपद अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महा संघ सीतापुर, इं मनीष कुमार शुक्ला,जिला सचिव डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग सीतापुर, सत्येंद्र गुप्ता जिलाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग नियमित वर्क चार्ज कर्मचारी संघ सीतापुर, इं विनय कुमार यादव के अलावा महासचिव मध्य क्षेत्र सिविल डिप्लोमा इंजीनियर संघ सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश, इं आशीष कुमार मौर्य जनपद वित्त सचिव सिविल डिप्लोमा इंजीनियर संघ सिंचाई विभाग सीतापुर एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि स्व० बी सिंह हमेशा कर्मचारियों के हित में संघर्ष करते रहे स्व०बी एन सिंह ने कर्मचारियों को केन्द्र के समान वेतन भत्ता व अन्य लाभ दिलवाने हेतु हमेशा बढ़-चढ़कर नेतृत्व किया व सफलता प्राप्त की।

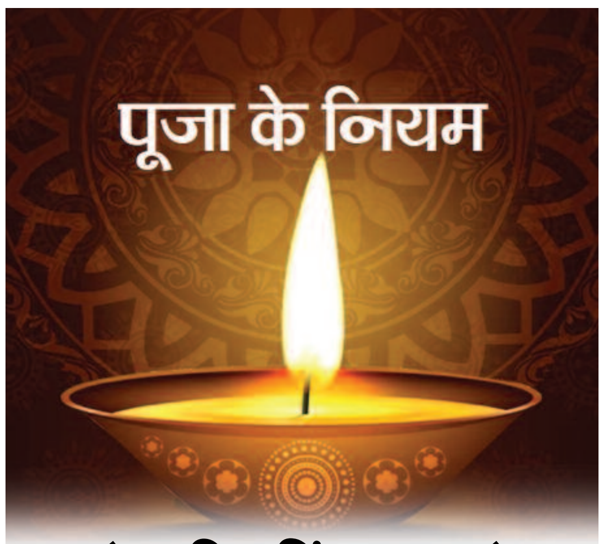

घर में 2 शिवलिंग, 3 गणेश, 2 शंख, और 3 दुर्गा मूर्ति भूलकर भी न रखें

हम सभी के घर में भगवान का मंदिर होता है लेकिन अज्ञानतावश हम कुछ गलतियां कर जाते हैं। प्रस्तुत है कुछ आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां.

एक घर में कम से कम पांच देवी देवताओं की पूजा होनी ही चाहिए-गणेश, शिव, विष्णु, सूर्य, दुर्गा। किसी भी देव या देवी के पूजन के प्रति संकल्प, एकाग्रता, श्रद्धा होना बहुत ही आवश्यक है।

गृहे लिंगद्वयं नाच्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्राम शिलाद्वयम।
तेषां तु पुजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद् गृही।

अर्थ- घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य, तीन दुर्गा मूर्ति, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम की पूजा करने से गृहस्थ मनुष्य को अशांति होती है।

- शालिग्राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती।
- दुर्गा की एक,सूर्य की सात,गणेश की तीन,विष्णु की चार और शिव की आधी ही परिक्रमा करनी चाहिए।
- तुलसी के बिना ईश्वर की पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। तुलसी की मंजरी सब फूलों से बढ़कर मानी जाती है।
- अमावस्या,पूर्णिमा,द्वादशी और रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।
- प्रतिदिन पंचदेव पूजा अवश्य करनी चाहिए।
- यदि कोई मंत्र कंठस्थ न आता हो तो बिना मंत्र के ही जल, चंदन ,फूल आदि चढ़ाकर पूजा करनी चाहिए। फूल चढ़ाते समय ध्यान रखें कि उसका मुख ऊपर की ओर हो।
- सदैव दाएं हाथ की अनामिका एवं अंगूठे की सहायता से फूल अर्पित करने चाहिए। चढ़े हुए फूल को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारना चाहिए।
- फूल की कलियों को चढ़ाना मना है,किंतु यह नियम कमल के फूल पर लागू नहीं है।

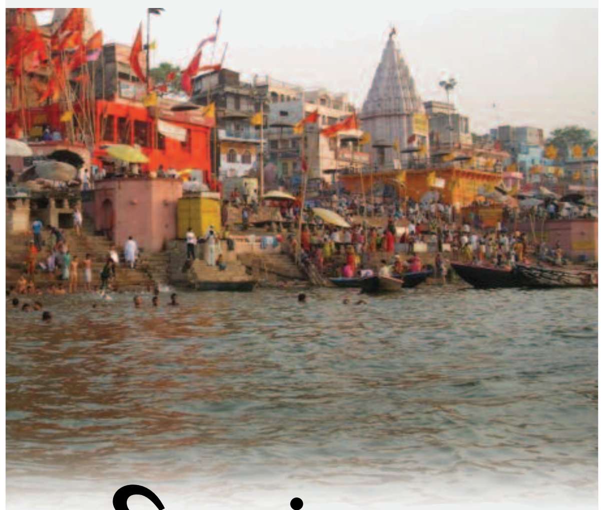

जानिए गंगा का जल क्यों नहीं होता कभी खराब

भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। प्रमुख वार-त्योहारों पर श्रद्धालु इन्ही नदियों के घाट किनारे स्नान करने जाते है और पात्रों में भरकर इन नदियों के जल को अपने घरों में भी लाते हैं। इस जल का उपयोग घर की शुद्धि करने, चरणामृत में मिलाने, पूजा या अनुष्ठान करने जैसे कई धार्मिक कार्यों में किया जाता है। लगभग हर हिन्दू परिवार में आपको एक कलश मिल ही जाएगा जिसमे गंगाजल होता है। भारत में लोग गंगा जल को सबसे ज्यादा पवित्र मानते हैं और बताते हैं कि इसका पानी कभी खराब नहीं होता। अब सवाल ये है कि इतने अवांछित पदार्थों के मिल जाने के बाद भी गंगा जल आखिर खराब क्यों नहीं होता? हिन्दू वेद-पुराणों और धार्मिक ग्रंथों की माने तो उनमें गंगा की महिमा का वर्णन कई कथाओं के माध्यम से मिल जाएगा। इस विषय में एक घटना ये भी प्रचलित है कि एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने वर्ष 1890 में गंगा के पानी पर रिसर्च भी की थी। दरअसल, उस दशक में भारत के कई हिस्सों में हैजा का भयंकर प्रकोप था, जिसने कई लोगों की जान ली थी। उस समय लोग लाशों को गंगा नदी में फेंक जाते थे। गंगा के उसी पानी में नहाकर या उसे पीकर अन्य लोग बीमार ना पड़ जाए, इसी बात की चिंता उस वैज्ञानिक को थी। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और गहन शोध के बाद उसने यह पाया की गंगा नदी के पानी में विचित्र वायरस है जो इसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस वजह से गंगा के पानी को घरों में कई दिनों तक रखा जाने के बाद भी उसमें से दुर्गंध नहीं आती।

'पवित्रता के पर्याय' गंगाजल का नाम आते ही ये सवाल हमारे मन में जरूर आता है। लेकिन इसका जवाब भी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। दरअसल, हिमालय में स्थित गंगोत्री से निकली गंगा का जल इसलिए कभी खराब नहीं होता, क्योंकि इसमें गंधक, सल्फर इत्यादि खनिज पदार्थों की सर्वाधिक मात्रा पाई जाती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का जल हिमालय पर्वत पर उगी कई उपयोगी जड़ी-बूटियों को स्पर्श करते हुए आता है। एक अन्य रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि गंगा जल में' बैक्ट्रिया फोस' नामक एक विशेष बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इसमें पनपने वाले अवांछित पदार्थों को खाता रहता है, जिससे इसकी शुद्धता बनी रहती है।

गंगा हिमालय से शुरू होने के बाद कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों तक पहुंचती है जहां खेतीबाड़ी का कचरा-कूड़ा और औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा इसके पानी में मिल जाती है , इसके बाद भी गंगा का पानी पवित्र बना रहता है। इसका एक और वैज्ञानिक कारण है कि इसे शुद्ध करने वाला तत्त्व गंगा की तलहटी में ही मौजूद है। कई वर्षों से गंगा के पानी पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है, जो दूसरी नदियों के मुकाबले कम समय में पानी में मौजूद गंदगी को साफ करने में मदद करती है।

ज्येष्ठ मास की बड़ी बातें, क्या और क्यों है महत्व इस माह का

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन माह अंतिम माह होता है इसके बाद चैत्र माह वैशाख और फिर ज्येष्ठ। इस बार ज्येष्ठ का प्रारंभ अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 13 माई 2025 से ज्येष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। आओ जानते हैं इस माह की बड़ी बातें।

महत्व : ज्येष्ठ मास में सूर्य की तपन अपने चरम पर रहती है। इसीलिए सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ कहा जाता है। इन दिनों सर्वाधिक बड़े दिन होते हैं। इस माह में नौतपा भी लगता है। शास्त्रों में इसी माह में जल के संरक्षण का महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ मास में जल के दान को बहुत बड़ा पुण्य माना गया है। ज्येष्ठ के महीने में भगवान श्रीराम से हनुमान की मुलाकात हुई थी, जिसके चलते ये इस माह के मंगलवार पर हनुमान पूजा का खासा महत्व रहता है।

निम्नलिखित चौपाई से यह पता चलता है कि किस माह में क्या कार्य नहीं करना चाहिए।

चौते गुड़, वैशाखे तेल,
जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादो मही,
कुवांर करेला, कार्तिक दही।
अगहन जीरा, पूसै धना,
माघै मिश्री, फाल्गुन चना।
जो कोई इतने परिहरै,
ता घर बैद पैर नहिं धरै।।
चैत चना, बैसाखे बेल, जैठे शयन,
आषाढ़े खेल, सावन हर्रे, भादो तिल।
कुवार मास गुड़ सेवै नित, कार्तिक मूल,
अगहन तेल, पूस करे दूध से मेल।
माघ मास घी-खिचड़ी खाय,
फागुन उठ नित प्रात नहाय।।

ज्येष्ठ माह में क्या करना और क्या नहीं चाहिए

- ज्येष्ठ माह में दोपहर में चलना खेलना मना है। इन महीनों में गर्मी का प्रकोप रहता है अत: ज्यादा घूमना-फिरना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक शयन करना चाहिए।
- इस माह बेल खाना चाहिए या बेल का रस पीना चाहिए। इस माह में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए।
- इस माह में लहसुन, राईं, गर्मी करने वाली सब्जियां और फल नहीं खाना चाहिए।
- इस माह में जल की पूजा की जाती है। इस माह में जल को लेकर दो त्योहार मनाए जाते हैं, पहला गंगा दशहरा और दूसरा निर्जला एकादशी।
- घाघ ने कहा कि जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में दिन में सोता है वह रोगी होती है।
- इस माह में बैंगन खाने से दोष लगता है और रोग उत्पन्न होता है। यह संतान के लिए शुभ नहीं होता है।
- ज्येष्ठ के माह में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।
- ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन करना वाला निरोगी रहता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है- 'ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।
- इस माह तिल का दान करने से अकाल मृत्यु से जातक बचा रहता है।
- ज्येष्ठ माह में हनुमानजी की प्रभु श्रीराम से मुलाकात हुई थी। इसीलिए इस माह में हनुमानजी की पूजा करने से लाभ मिलता है।

श्री कृष्ण का वृंदावन धाम 8 रहस्य या चमत्कार

ब्रजमंडल में मथुरा, गोकुल, नंदगांव, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन आदि क्षेत्र आते हैं। मथुरा जहां श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। वहीं गोकुल उनकी बाललीला की भूमि है। श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया। बरसाना श्रीराधा की जन्मभूमि है और उनका परिवार भी वृंदावन में आकर रहने लगा था। आओ जानते हैं वृंदावन धाम के 8 चमत्कार या रहस्य को।

रंग महल : वृंदावन में रंग महल है। प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रात: दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं। हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।

अपने आप बंद होता और खुलता मंदिर : वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है।

वृंदावन और तुलसी का रहस्य : वृंदा तुलसी को कहा जाता है। यहां तुलसी के पौधे अधिक हैं, इसलिए इसे वृंदावन नाम दिया गया। यानी वृंदा (तुलसी) का वन। कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।

अजीब हैं पेड़ : मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ और निधिवन में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है। जहां आमतौर पर पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ते हैं वहीं निधिवन में मौजूद पेड़ों की ऊंचाई बेहद कम हैं और इनकी शाखाएं इसकी जड़ों की ओर बढ़ती है। यहाँ पेड़ भी आपस में गुथे हुए हैं जो इस जगह को देखने में भी रहस्यमयी बनाती है।

मंदिर में करते हैं शयन : मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं। लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

घरों की खिड़कियां कर देते हैं बंद : यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

निधिवन : कहते हैं कि आज भी समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं। कहते हैं कि श्रीकृष्ण वृंदावन के निधिवन में रासलीला करने आते हैं और उनके साथ श्रीराधा सहित उनकी अष्ट सखियां भी आती हैं। लोगों का मानना है कि यहाँ हर रात आरती के बाद श्री कृष्ण, राधा और उनकी गोपियाँ रास रचाते हैं। आस-पास रहने वाले कई लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार घुंघरूओं की आवाज सुनाई देती है, लेकिन कोई इस रास-लीला को अपनी आँखों से देखने की हिम्मत नहीं रखता, और देख ले तो फिर दुनिया में कुछ और देखने-समझने के लायक नहीं रहता। यानी अंधा हो जाता है। इसलिए अब निधिवन के दरवाजे शाम 7 बजे बंद कर दिया जाते हैं।

हरिदास भक्त : वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर से कई कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि श्री हरिदासजी बांके बिहारी के सबसे बड़े भक्त थे जिनकी भक्ति और चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं। भगवान की भक्त में डूबकर हरिदास जी जब भी गाने बैठते तो प्रभु में ही लीन हो जाते। इनकी भक्ति और गायन से रिझकर भगवान श्री कृष्ण इनके सामने आ जाते।

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी

चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी

माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अत: इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

गणेश जी को दूर्वा चढ़ाने के खास नियम हैं

बुधवार और चतुर्थी तिथि गणेशजी के दिन है। इस दिन इनकी विशेष पूजा करना चाहिए। पूजा करने के दौरान गणेशजी को विशेष वस्तुएं अर्पित की जाती है जो कि उनके पसंद की होती है। इन वस्तुओं को अर्पित करने से गणपतिजी प्रसन्न हो जाते हैं। इन्हीं वस्तुओं से एक है दूर्वा। आओ जानते हैं दूर्वाचढ़ाने के खास नियम और मंत्र।

दूर्वा चढ़ाने के खास नियम

- प्रात:काल उठकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- फिर ऊं गं गणपतयै नम: मंत्र बोलते हुए जितनी पूजा सामग्री उपलब्ध हो उनसे भगवान श्रीगणेश की पूजा करें।
- गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर लगाएं। फिर उन्हें 21 गुड़ की ढेली के साथ 21 दूर्वा चढ़ाएं। मतलब 21 बार 21 दूर्वा की गाठें अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा गणेशजी को मोदक और मोदीचूर के 21 लड्डू भी अर्पित करें। इसके बाद आरती करें और फिर प्रसाद बांट दें।
- दूर्वा अर्पित करने का मंत्र : 'श्री गणेशाय नम: दूर्वांकुरान समर्पयामि।' : इस मंत्र के साथ श्रीगणेशजी को दूर्वा चढ़ाने से जीवन की सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं और श्रीगणेशजी प्रसन्न होकर सुख एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।
- क्या होगा दूर्वा अर्पित करने से : इस दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाकर विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से परिवार में समृद्धि बढ़ती है और मनोकामना भी पूरी होती है। इस व्रत का जिक्र स्कंद, शिव और गणेश पुराण में किया गया है।

संपादकीय

ललित चौधरी (संपादक)

दुरुपयोग पर मिले सजा

सुप्रीम कोर्ट ने फिर से दहेज कानूनों के दुर्भावनापूर्वक इस्तेमाल पर निराशा व्यक्त की है। वैवाहिक मामलों में पत्नी द्वारा पति बुजुर्ग माता-पिता सहित अन्य परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व क्रूरता के प्रावधानों को लेकर पीठ ने कहा, क्रूरता शब्द का पक्षकारों द्वारा क्रूरतापूर्वक इस्तेमाल किया जाता है। इसे विशिष्ट उदाहरणों के बिना सरलता से स्थापित नहीं किया जा सकता। खास तिथि, समय या घटना का उल्लेख किये बगैर इन धाराओं को जोड़ने की प्रवृत्ति को अदालत ने मामले को कमजोर करने वाला बताया। यह फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश की अपील के खिलाफ आया, जिसमें एक शख्स को दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत ने आईपीसी की धारा 498 (क्रूरता) और दहेज निषेध अधिनियम 1961 की धारा चार के तहत अपराधों में उसे बरी कर दिया।

इन दोनों धाराओं के तहत पत्नियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से दुरुपयोग पर अदालत ने पति के बुजुर्ग माता-पिता, दूर के रिश्तेदार, अलग रह रही विवाहित बहनों को भी आरोपी बनाए जाने पर सवाल किया, जिससे गंभीर संदेह उत्पन्न होता है। यह शादी एक साल भी नहीं टिकी थी और दिसम्बर 1999 में पति व ससुरालियों पर दहेज की मांग, क्रूरता, शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न के आरोप साबका बीवी द्वारा लगाए गए थे। गैर-कानूनी होने के बावजूद भारतीय समाज में 95प्र. शादियों में दहेज का खुलकर लेन-देन होता है। यह सच है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली इस पारिवारिक हिंसा से बचाने के लिए बनाए गए दहेज विरोधी कानूनों का दुरुपयोग भी हो रहा है। मगर इस आधार पर न तो इन्हें कमजोर किया जा सकता है, न ही दहेज हत्याओं की अनदेखी की जा सकती है। बेहतर हो कि विवाह-विच्छेदन के नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाया जाए। जहां स्वेच्छापूर्वक या बगैर किन्हीं आरोपों-प्रत्यारोपों के एक-दूसरे से अलग होने के प्रावधान हों। बिला-वजह इन धाराओं को जोड़ने में पुलिस व वकीलों का बड़ा हाथ होता है। अधिक से अधिक ससुरालियों को जबरन उलझाने के प्रति पुलिस व वकीलों को अपने स्तर पर सुलटना चाहिए। पीड़िता के प्रति सहानुभूति रखने के बावजूद द्वेषपूर्ण प्रक्रिया से बचने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सूक्ति

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मज़बूत गुण होता है। - अज्ञात

साफ़ सुथरे सादे परिधान में ऐसा यौवन होता है जिसमें अधिक उम्र छिप जाती है। - अज्ञात

चिंतन मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

खेल कूद और देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम

संजय गोस्वामी

देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम है सबसे बड़ा खिलाड़ी देश के सैनिक हैं खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुतीर्ला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है एक प्राचीन कहावत है ह्लपहला सुख निरोगी कायाह्व सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार ह्र जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है वह अपने प्रतिद्वंदी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर मुक्त कंठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास तक नहीं भटकने देता उसके जीवन में ये सब गुण खेलों से ही तो आते है कहा जाता है कि जीवन में सफलता हासिल करनी हो तो अनुशासन रूपी कुंजी साथ में जरुर होनी चाहिए और जो खेल के मैदान में तेजी से फलता फूलता है अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन में अनुशासन के महत्व का पाठ खेलों के मैदान में सरलता से सीखा जा सकता है खेलों के द्वारा जीवन में पारस्परिक सम्मान के सद्गुण का विकास होता है खेलों के खिलाडियों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे एक दूसरे खिलाडियों का सम्मान करे सम्मान पाने का उपाय भी यही है कि दूसरों का सम्मान करो खेलों में जब खिलाडी अपने साथी खिलाडी को सम्मान नहीं देते है तो उन्हें आदर्श खिलाड़ी नहीं कहा जाता इसलिए प्रत्येक श्रेष्ठ खिलाड़ी अपने साथी खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिससे उनमें पारस्परिक सम्मान के गुणों का विकास होता है खेलों से ह्यटीम स्प्रिटह्न का विकास होता है ह्यटीम स्प्रिटह्न का मतलब हर उस खिलाड़ी से है जो अपने पृथक व्यक्तित्व को टीम के व्यक्तित्व में विलीन कर दे इसमें टीम का हर खिलाड़ी सम्पूर्ण टीम के लिए खेलता है केवल अपने लिए नहीं यह ह्यटीम स्प्रिटह्न की भावना जो वह खेलों के द्वारा अपने अंदर विकसित करता है तो यही उसके व्यावहारिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है खेलकूद में शारीरिक व्यायाम भी महत्वपूर्ण है शारीरिक व्यायाम एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक निरोगता अथवा समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाती है या बनाए रखती है। खेल देश की प्रगति के लिए भी बहुत जरूरी है जो ओलोंपिक में किसी खेल में ज्यादा मेडेल लाता है उसे दुनिया उतना ही अधिक शक्तिशाली मानती है महान क्रिकेटर श्री सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट में देश को वह गौरव प्रदान किया कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया आजकल क्रिकेट में भारत में आईपीएल लीग मैच चल रहा है और बाद में ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्थगित किया गया,जब सारे चैनलों पर युद्ध की दर्दनाक कहानी सुनकर रातों की नींद हराम हो जाती है क्योंकि यह साफ हो गया कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है, जिसमें कई पर्यटकों सहित 26 नागरिक मारे गए थे और आतंकवाद का सफाया कर दिया गया था। यह ऑपरेशन पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हुआ, जहाँ सेना ने नौ आतंक से जुड़े स्थलों को नष्ट कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान ने अपनी वायु सेना को हाई अलर्ट पर रखा। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा दो ऐसे समूह हैं जिन पर अक्सर भारत में आतंकी हमलों को प्रायोजित करने का आरोप लगाया जाता है।

अभिव्यक्ति : न्याय का नया दृष्टिकोण

नृपेंद्र अभिषेक नृप

सर्वोच्च न्यायालय ने 9 मई, 2025 को ऐसा ऐतिहासिक निर्णय सुनाया जो न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार को पुनः पुष्ट करता है, बल्कि जानकारी के अधिकार को भी केंद्रीय महत्त्व प्रदान करता है। इस निर्णय के केंद्र में विकिमीडिया फाउंडेशन और दिल्ली उच्च न्यायालय के मध्य उत्पन्न एक असाधारण विवाद है, जो डिजिटल अभिव्यक्ति, न्यायालय की प्रतिष्ठा तथा तकनीकी माध्यमों की कानूनी जिम्मेदारियों जैसे जटिल और समकालीन प्रश्नों से जुड़ा हुआ है। यह मामला भारत के संवैधानिक विमर्श में एक नई परत जोड़ता है, जो यह तय करने में सहायक हो सकता है कि डिजिटल युग में न्याय और स्वतंत्रता का संतुलन किस प्रकार बनाए रखा जाए।

मामला अक्टूबर, 2024 में उस समय आरंभ हुआ जब दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने विकिपीडिया पर एक पृष्ठ को हटाने का अंतरिम आदेश दिया। यह पृष्ठ एक मानहानि केस से संबंधित था, जिसमें न्यायालय की कार्यवाही और निर्णय पर उपयोगकताओं द्वारा टिप्पणियां की गई थीं। कुछ उपयोगकताओं ने उस न्यायिक आदेश की आलोचना की जिसे न्यायालय ने न्यायालय की अवमानना के रूप में देखा। इन टिप्पणियों के आधार पर न्यायालय ने विकिमीडिया को निर्देश दिया कि न केवल वह पृष्ठ हटाए, बल्कि उससे जुड़े चर्चा मंच को भी निष्क्रिय करे। बाद में, एक खंडपीठ ने भी इस आदेश को बरकरार रखा, जिससे विकिमीडिया फाउंडेशन को सर्वोच्च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

सर्वोच्च न्यायालय की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूइयां शामिल थे, ने पूरे प्रकरण को व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, चाहे वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन क्यों न हो, जनता और प्रेस द्वारा खुली बहस आवश्यक है। उनका यह कथन भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को दशार्ता है, जहां न्याय व्यवस्था भी जनचर्चा और पारदर्शिता से अप्रभावित नहीं रह सकती। पीठ ने न केवल विकिपीडिया के उस पृष्ठ को हटाने के आदेश को रद्द किया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश अभिव्यकित की स्वतंत्रता और जनजानकारी के अधिकार के विरुद्ध था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) और अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को जानने का अधिकार उनके लोकतांत्रिक सहभागिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब तक जानकारी तक लोगों की पहुंच नहीं होगी तब तक वे न तो किसी सार्वजनिक नीति में भाग ले सकते हैं, और न न्याय व्यवस्था में विश्वासपूर्वक संलग्न हो सकते हैं।

यह निर्णय विशेष रूप से इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह इंटरनेट के उस स्वरूप को रेखांकित करता है जिसमें जनता स्वयं सूचना-सृजन में भागीदार बनती है। विकिमीडिया फाउंडेशन केवल एक तकनीकी माध्यम प्रदान करता है; यह स्वयं कंटेंट का निमार्ता नहीं है। यह निर्णय न केवल कानूनी दृष्टिकोण से, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों की दृष्टि से भी उल्लेखनीय है। इस मामले में यह दशार्या गया कि अदालतें जनता की आलोचनाओं और टिप्पणियों से डरी नहीं, बल्कि उन्हें संविधान के दृष्टिकोण से परखा। यह निर्णय व्यापक रूप से यह संदेश देता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जानकारी तक पहुंच का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला हैं। आज जब डिजिटल मीडिया हर नागरिक को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता देता है, तो ऐसे मंचों की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है। यदि ऐसे मंचों को अभिव्यक्ति पर रोक लगाने के आदेश मिलते रहेंगे, तो न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता बाधित होगी, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श भी संकीर्ण बन जाएगा।

अब यह कहना उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सूचना तक पहुंच, और न्यायिक पारदर्शिता के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में सशक्त कदम है। इससे संकेत मिलता है कि न्यायपालिका स्वयं को आलोचना और सार्वजनिक चर्चा से परे नहीं मानती, बल्कि उसे आवश्यक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के रूप में भी स्वीकार करती है। यह निर्णय डिजिटल युग में न्याय, तकनीक और लोकतंत्र के जटिल संबंधों की ओर भी संकेत करता है।

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता...

विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं। चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है।

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं... चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है...

सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी। जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजर्मी में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है। जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया। यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया।

उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अखबारों की रिपोर्टों पर आधारित था।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है, इस मामले में प्रथम हष्टया लागू होती है। मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को 'शर्मनाक और अश्लील' कहा। विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफी मांगी।कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है।उन्होंने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है,बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं। आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया।जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है।इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है,ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं? इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है।मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है।उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने ऑर्डर पास करने से पहले हमें नही सुना गया।सीजेआई ने कहा कि आप हाई कोर्ट के समक्ष क्यों नहीं गए जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सर्वविदित रहे कि विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर एक बयान दिया था। उन्होंने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लेकर विवादित बयान दिया था। इस पूरे मामले पर विवाद गहराने के बाद विजय शाह ने आजतक से बातचीत के दौरान माफी मांगते हुए कहा था कि मैं सपने में भी कर्नल सोफिया बहन के बारे में गलत नहीं सोच सकता। न ही मैं सेना के अपमान की बातें सपने में सोच नही सकता हुँ। सोफिया बहन ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर देश की। इसी बीच एक और विवाद खड़ा हुआ जब मध्य प्रदेश केउपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने एक सभा में अपने बड़ बोलेपन कह दिया कि 'पूरा देश और सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।' जो हमारी भारतीय सेना की गरिमा पर सीधा प्रहार था। देश की सेना एक संवैधानिक संस्था है,तीनों सेना के महामहिम राष्ट्रपति होता,जिसका स्पष्ट उल्लेख संविधान में वर्णित है।देश की सेना न किसी राजनीतिक दल की है,न किसी व्यक्ति विशेष की होती है।जो अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होती है। उसका समर्पण संविधान,राष्ट्र और उसकी अखंडता के प्रति है किसी नेता या सरकार के प्रति नहीं।सम्पूर्ण विपक्ष ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा अपनी 'व्यक्ति पूजा' की राजनीति में सेना जैसे पवित्र संस्थान को भी लपेटने से नहीं चूकती।उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी ने नई हदें पार कीं जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए जातिसूचक टिप्पणी की।बल्कि यह सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने इसे सेना और समाज दोनों का अपमान करार दिया।भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी।वहीं,रामगोपाल यादव ने बाद में सफाई दी कि उन्होंने ऐसा किसी दुर्भावना से नहीं कहा, लेकिन सवाल फिर वही उठता है क्या इतने वरिष्ठ नेता को यह नहीं पता कि सार्वजनिक मंच से जातिसूचक शब्द कहना सामाजिक और संवैधानिक दोनों स्तरों पर अपराध है? भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें,बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी, नेता अपनी भाषा की मयार्दा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं। मेरा मानना है कि चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है। बही हमारी सेना जो अपने घर परिवार से दुर शरहदों पर दिन राष्ट्र सेवा में ना केवल लग रहते है - वे भारत मॉ की आन बान व शान के लिए मर मिटने को हमेशा तैयार रहते है।भारत माँ की रक्षा में अपने प्राणों को निछावर कर देते है। क्या ये बयान बाज बड़ बोले नेताओं को जनता जनार्दन उसे इन्हीं दिनों के लिए अपना बहुमूल्य मत दे संबैधानिक पदों पर सुशोमित किया है। कई सबाल के जबाव जनता नेता पूछती है।

स्वामी/ मुद्रक/ प्रकाशक एवं संपादक ललित चौधरी ने वैकुंठ मीडिया प्रा0 लि0, 285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर, 02, अटौर, राजनगर एक्सटेंशन, पोस्ट-अटौर, गाजियाबाद (201003) उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया।
(RNI NO: UPHIN2023/88802) संपर्क सूत्र - 8527848454 / 6284195503 (नोट : समस्त वाद विवाद हेतु न्यायिक क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय होगा।)

अटारी-वाघा सीमा पर फिर से शुरू हुआ कारोबार

पाकिस्तानी सीमा पर फंसे ट्रकों के विवाद के बाद भारत में प्रवेश की अनुमति मिली

अटारी।

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार पूरी तरह ठप हो गया था, लेकिन अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पुनः खुलने से व्यापारिक गतिविधियां फिर से चलने लगी हैं। इस सीमा के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला व्यापार फिर से गति पकड़ रहा है। पाकिस्तानी सीमा पर फंसे ट्रकों के विवाद के बाद अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश की अनुमति दी गई। इसके बाद लगभग 50 ट्रक और भारतीय ट्रकों ने सीमा पार करके व्यापारिक गतिविधियों को फिर से जीवंत किया। भारत और अफगानिस्तान के बीच यह मार्ग सूखे मेवों और जड़ी-बूटियों के आयात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके बंद हो जाने से व्यापारियों को बड़ा नुकसान हुआ था, लेकिन अब उन्हें राहत मिली है। इस सीमा के खुलने से व्यापारियों में आर्थिक सुधार होने की उम्मीद है। भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। अटारी-वाघा सीमा भारत और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच एकमात्र स्वीकृत व्यापारिक भूमि मार्ग है। भारत अफगानिस्तान से मुख्य रूप से सूखे मेवे और जड़ी-बूटियां आयात करता है, जो अधिकतर कंधार और काबुल से आते हैं। इस मार्ग के बंद होने से न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि बाजार में इन सामानों की उपलब्धता पर भी असर पड़ा।

जुलाई से सितंबर के बीच लॉन्च होगा नथिंग फोन (3)

नई दिल्ली।

नथिंग कंपनी का अपकमिंग स्मार्टफोन नथिंग फोन (3) साल 2025 में लॉन्च होगा। इस फोन में एडवांस एआई फीचर्स शामिल होंगे, जो इसे एक प्रीमियम डिवाइस बनाएंगे। कंपनी के सीईओ कार्ल पेई ने हाल ही में इसकी पुष्टि की है। एक यूट्यूब वीडियो में इस फोन की झलक भी दिखाई, हालांकि फोन को ब्लर किया गया था। इस वीडियो में उन्होंने फोन के प्राइस और लॉन्च डेट का खुलासा किया है। नथिंग फोन (3) को 2025 के तीसरे क्वार्टर यानी जुलाई से सितंबर के बीच लॉन्च किया जाएगा। अगर पिछले साल के लॉन्च को ध्यान में रखा जाए, तो यह संभावना जताई जा रही है कि फोन जुलाई 2025 में लॉन्च होगा, क्योंकि नथिंग फोन (2) जुलाई 2023 में आया था। रिपोर्ट के अनुसार नथिंग फोन (3) को प्रीमियम मटेरियल्स, बेहतर परफॉर्मेंस और एआई-बेस्ड सॉफ्टवेयर के साथ तैयार किया गया है। यह फोन कंपनी का फ्लैगशिप डिवाइस होगा और इसमें डिज़ाइन के साथ-साथ यूजर एक्सपीरियंस भी शानदार होगा। नथिंग फोन (3) की कीमत करीब 800 जीबीपी (लगभग रुपए 90,500) हो सकती है। पिछले मॉडल, नथिंग फोन (2) के 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 629 जीबीपी (लगभग रुपए 71,000) थी और भारत में इसकी कीमत 49,999 रुपये थी। ऐसे में उम्मीद है कि फोन (3) का 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट भारत में 60,000 रुपये से अधिक हो सकता है

जगुआर लैंड रोवर ने 7.7 बिलियन पाउंड का रेवेन्यू दर्ज किया

नई दिल्ली।

वित्तीय वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने 7.7 बिलियन पाउंड का रेवेन्यू दर्ज किया। यह रेवेन्यू पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1.7प्रतिशत कम है। ब्रिटिश ऑटोमेकर ने लगातार दसवीं तिमाही लाभ दर्ज कर अपनी मजबूती साबित की है। इस सफलता के पीछे कंपनी के कुछ प्रमुख प्रोडक्ट्स की मजबूत बिक्री का बड़ा हाथ है। खासतौर पर लैंड रोवर डिफेंडर की बिक्री इस वित्तीय वर्ष में 1,15,404 यूनिट तक पहुंचकर इतिहास में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। डिफेंडर भारत में भी लग्जरी ऑफ-रोडर्स में पसंदीदा बनी हुई है और हाल ही में भारत-यूके के एफटीए समझौते से इसके दाम कम होने की उम्मीद है। मार्च 2025 में लैंड रोवर ने डिफेंडर ऑक्टा को भारत में लॉन्च किया, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 2.59 करोड़ रुपए है। इस वर्जन में 4.4-लीटर ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी 8 इंजन दिया गया है, जो माइल्ड-हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस है। यह इंजन 626 हॉर्सपावर और 800 एनएम टॉर्क प्रदान करता है, जिससे यह डिफेंडर का अब तक का सबसे पावरफुल मॉडल बन गया है। ऑक्टा 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार मात्र 3.8 सेकंड में पकड़ लेता है और अधिकतम 250 किमी/घंटा की स्पीड तक जा सकता है। इसे आठ-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस किया गया है, साथ ही इसमें कई मैकेनिकल और चेसिस अपग्रेड भी शामिल हैं। एफवाय25 में जेएलआर के इलेक्ट्रिफाइड ऑप्शंस की मांग भी बढ़ी है, खासकर प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) मॉडल में 21.7प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। रेंज रोवर नेमप्लेट पीएचईवी की मांग में 38.2प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ नेतृत्व किया। इसके अलावा, रेंज रोवर स्पोर्ट ने 19.7 प्रतिशत की साल-दर-साल थोक बिक्री हासिल की।

एजीआर मामलाः सुप्रीम कोर्ट से वोडाफोन आइडिया के बाद अब एयरटेल ने लगाई गुहार

भारती एयरटेल समूह पर 43,980 करोड़ की पर्याप्त एकमुश्त देनदारी लगाई गई

नई दिल्ली।

वोडाफोन आइडिया के बाद अब भारती एयरटेल और भारती हेक्साकॉम ने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया मामले में राहत की मांग कर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इस याचिका में कहा गया है कि एजीआर बकाया ने दोनों भारती कंपनियों की दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बने रहने और अपने परिचालन को बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित किया है। यह हमारे विप्य पर असर डाल सकता है। याचिकाकर्ता कंपनियों ने एक दशक में लाइसेंस शुल्क और मुकदमे के जरिए लगभग 75,000 करोड़ रुपये का सरकारी खजाने में योगदान दिया है। इसके साथ ही जीएसटी भी दिया गया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 22,000 करोड़ रुपये था। एजीआर फैसले के जरिए भारती एयरटेल समूह पर 43,980 करोड़ रुपये की पर्याप्त एकमुश्त देनदारी लगाई गई और इसे 31 मार्च, 2031 को समाप्त होने वाली 10 साल की अवधि के भीतर सरकार को चुकाया जाना है। मूल राशि 9,235 करोड़ रुपये ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज जोड़कर 43,980 करोड़ रुपये हो गई। इससे पहले गुरुवार को वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की, जिसमें एजीआर बकाया से जुड़े ब्याज, जुर्माने और जुर्माने पर ब्याज में

45,000 करोड़ रुपये से अधिक की छूट की मांग की गई। करीब 20 करोड़ ग्राहकों को सेवा देने वाली इस दूरसंचार कंपनी ने राहत न मिलने पर वित्तीय संकट की चेतावनी दी है। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वोडाफोन आइडिया के मामले की सुनवाई करेगा।

जीईईएल ने अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप देने की घोषणा की

नया कारपोरेट लोगो लॉन्च, बाकी ब्रांड्स के नए लोगो 8 जून को जारी किए जाएंगे

नई दिल्ली।

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेज लिमिटेड (जीईईएल) ने अपनी ब्रांड पहचान को नया रूप देने हुए अपने कॉर्पोरेट और चैनलों के लोगो को नया लुक देने की घोषणा की है।

कंपनी के सीईओ ने यह घोषणा ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2025 के दौरान की। नए लोगो ज़ी टीवी, ज़ी5, ज़ी म्यूजिक कंपनी और ज़ी स्टूडियोज़ जैसे ब्रांड्स के लिए जारी किए जाएंगे।

कंपनी के अनुसार ज़ी का नया कॉर्पोरेट लोगो पहले ही लॉन्च किया जा चुका है, जबकि बाकी ब्रांड्स के नए लोगो 8 जून को जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें कंटेंट और टेक्नोलॉजी पर खास ध्यान दिया जाएगा। हमारा नया लोगो भविष्य की सोच को दर्शाता है–जो कि तेज़, आधुनिक और लचीला है। यह हमारे संकल्प को दर्शाता है कि हम नई तकनीकों को अपनाकर दर्शकों को बेहतर अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कंपनी ने यह भी बताया कि उसका लक्ष्य टेक्नोलॉजी को हर स्तर पर जोड़ना है–चाहे वह कंटेंट बनाना हो, उसका वितरण हो या उससे कमाई करना। यह कदम कंपनी के लंबे समय के विकास और मुनाफे के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। जनवरी से मार्च तिमाही के परिणामों के दौरान कंपनी ने कहा था कि ऐ बिटा मार्जिन बढ़ाने के लिए अब लागत में कटौती की कोई गुंजाइश नहीं है। नुकसान को घटाने के लिए कंपनी अब केवल राजस्व में वृद्धि पर ध्यान देगी।

क्लिकः भारत में ग्राहक आधार 1,000 को पार करने के लिए तैयार

ऑरलैंडो।

कृत्रिम मेधा क्षेत्र के अग्रणी कंपनी क्लिक ने भारतीय बाजार में वृद्धि को लेकर आशान्वित होने का इजहार किया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि क्लिक ने पिछले दो साल में अपने कारोबार को दोगुना किया है और ग्राहकों की संख्या अब 800 से भी ज्यादा हो गई है। उनके अनुसार इस साल कंपनी का ग्राहक आधार 1,000 को पार कर जाएगा। उन्होंने डेटा विश्लेषण और एआई रणनीति में भागीदारी के लिए कई छोटे और मझोले कारोबारों के साथ भविष्य की योजना की बात की। उन्होंने कहा कि क्लिक के भारतीय शाखा में मात्र एक्सपैंशन हुई है और कर्मचारी संख्या में भी वृद्धि हुई है। कंपनी ने पिछले 16 माह में भारत में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर दी है और नियुक्तियों का कार्य जारी रहेगा। वे भारतीय बाजार में तेजी से आगे बढ़ने के संकेत का समर्थन करते हुए निवेश के साथ एक वीरपॉर्ट डिरेक्टर बनाने का दावा कर रहे हैं। क्लिक ने हाल ही में भारत में एक बड़े निवेश के साथ डेटा सेंटर खोला है, जो भारतीय बाजार के लिए नई सेवाएं प्रदान करेगा। यह कॉन्फिगरेशन के साथ क्लाउड ढांचे को बढ़ाने और भारतीय बाजार के साथ प्रतिबद्धता को गहरा करने में मदद करेगा।

भारत के कोयले का आयात 2024-25 में घटकर 26.35 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली।

भारत में कोयले का आयात वित्त वर्ष 2024-25 में 1.7 प्रतिशत घटकर 26.35 करोड़ टन रहा है। इसके सम्बंधित पिछले वित्त वर्ष, 2023-24, में देश कोयले का 26.82 करोड़ टन आयात करता था। इस वर्ष गैर-कोकिंग कोयले का आयात 16.71 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की 17.59 करोड़ टन से कम है। कोकिंग कोयले का आयात 5.40 करोड़ टन है जो पिछले वर्ष की 5.72 करोड़ टन से कम है। एक ई-कॉमर्स मंच द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मार्च में कोयले का आयात 2.27 करोड़ टन रहा जो पिछले वर्ष की 2.39 करोड़ टन की मुकाबला है। मार्च में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन है जो 2023-24 के समान महीने की 1.53 करोड़ टन का है। मार्च में कोकिंग कोयले का आयात 44.1 लाख टन है जो 2023-24 के समान महीने की 53.4 लाख टन से कम है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल कोयले उत्पादन एक अरब टन के आंकड़े को पार कर गया है। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में कोयले उत्पादन 104.75 करोड़ टन है, जो 2023-24 में 99.78 करोड़ टन का था। इस तरह वित्त वर्ष के दौरान कोयले का उत्पादन 4.99 प्रतिशत बढ़ गया है।

बीते वित्त वर्ष में भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों, हीरे को पछाड़ा

2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली।

पिछले तीन साल में भारत का स्मार्टफोन निर्यात पांच गुना हो गया है। वहीं इस दौरान जापान को निर्यात चार गुना हो गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस तरह स्मार्टफोन निर्यात ने देश से पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में 15.57 अरब डॉलर और 2022-23 में 10.96 अरब डॉलर था। बीते वित्त वर्ष में अमेरिका, नीदरलैंड्स, इटली, जापान और चेक गणराज्य शीर्ष पांच देश रहे जहां स्मार्टफोन निर्यात में सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज हुई है। अकेले अमेरिका को 2024-25 में स्मार्टफोन का निर्यात 10.6 अरब डॉलर का हो गया। अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 2022-23 में 2.16 अरब डॉलर और 2023-24 में 5.57 अरब डॉलर रहा था। जापान को निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जापान को निर्यात 2022-23 के 12 करोड़ डॉलर से 2024-25 में 52 करोड़ डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार नीदरलैंड को निर्यात 2022-23 के 1.07 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 2.2 अरब डॉलर हो गया इसी तरह, इटली को निर्यात 72 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। चेक गणराज्य को भी निर्यात 65 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.17 अरब डॉलर हो गया।

सेंसेक्स की 9 बड़ी कंपनियों का मार्केट कैप 3.35 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस, एचडीएफसी और टीसीएस ने बढ़ाया बाजार में दबदबा

मुंबई।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 9 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 3.35 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1.06 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 19.71 लाख करोड़ रुपये हो गया।

यह अब भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 46,306.99 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 10.36 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस ने 43,688.4 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका कुल मूल्यांकन 12.89 लाख करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का मूल्य 34,281.79 करोड़ रुपये बढ़कर 6.60 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की हैसियत 34,029.11 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 14.80 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 32,730.72 करोड़ रुपये बढ़कर 5.69 लाख करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी को 15,142.09 करोड़ रुपये की बढ़त मिली, जिससे उसका मूल्यांकन 5.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 11,111.15 करोड़ रुपए बढ़कर 7.06 लाख करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्य 11,054.83 करोड़ रुपये बढ़कर 5.59 लाख करोड़ रुपये हो गया।

इन सभी के विपरीत भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 19,330.14 करोड़ रुपये घट गया और यह 10.34 लाख करोड़ रुपये रह गया। प्रमुख 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी रहीं।

टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक वाहन पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी

टाटा मोटर्स ने 2024-25 में करीब 65,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स का लक्ष्य घरेलू यात्री वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को मुख्यधारा में लाने का है। अपनी इस योजना के तहत कंपनी ईवी श्रृंखला को मजबूत करने और साथ ही मौजूदा मॉडल के लिए मूल्य को बढ़ाने का प्रयास कर रही है। मुंबई की यह प्रमुख वाहन कंपनी चालू वित्त वर्ष में हैरियर.ईवी और उसके बाद सिएरा.ईवी उतारने की तैयारी कर रही है। साथ ही कंपनी अपने मौजूदा मॉडल में भी कई तरह के सुधार करने की योजना बना रही है। टाटा मोटर्स ने 2024-25 में करीब 65,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं। यह आंकड़ा 2023-24 की तुलना में 10 प्रतिशत कम है। तिमाही नतीजों के बाद निवेशक प्रस्तुतिकरण में कंपनी ने कहा कि हम नए मॉडल के साथ ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करने जा रहे हैं। साथ ही मौजूदा मॉडल के लिए भी मूल्य बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। कंपनी का इरादा इलेक्ट्रिक वाहनों को मुख्यधारा में लाने है। इसके लिए कंपनी बाजार विकास और पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी।

ट्रंप ने फेड पर किया हमला, पॉवेल की इस्तीफा की मांग

जेरोम पॉवेल नहीं हो रहे टस से मस

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संकेतों के साथ एक बार फिर फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर हमला बोला है। ट्रंप ने फेड के ब्याज दरों में कटौती की मांग की और पॉवेल को उनके मौजूदा कार्यकाल से पहले हटाने की धमकी दी। यह तनातनी के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भारी असर पड़ सकता है। ट्रंप का मानना है कि कम ब्याज दरें अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी, जबकि पॉवेल ने ऐसे कदमों की चेतावनी दी है कि इससे महंगाई बढ़ सकती है। इस तनातनी के बीच ट्रंप ने पॉवेल को मेजर लूज़र कहकर भी मामूली भाषा में संबोधित किया है। यह विवाद अमेरिकी राजनीति के दौरान एक और रोमांचक घटना बन गया है, जिसके परिणामों का सामर्थ्यक असर पूरी दुनिया देख रही है। इस संघर्ष के बीच, पॉवेल ने साफ किया है कि वे अपनी पदवी पर कटौती का विचार नहीं करेंगे और उन्हें इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने उनकी योग्यता पर सवाल उठाया है, लेकिन पॉवेल ने प्रधान्य देने का इरादा जताते हुए इस संघर्ष में निष्ठा प्रकट की है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह पॉवेल को 2026 से पहले हटाएंगे, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, नहीं, ऐसा क्यों करूंगा? मुझे जल्द ही उन्हें बदलने का मौका मिल जाएगा। ट्रंप भले ही पॉवेल को न हटाने की बात कह रहे हो, लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि वे चाहकर भी ऐसा कर नहीं सकते। अगर वे ऐसा करते हैं तो कानूनी पचड़े में पड़ जाएंगे और इससे फजीहत हो सकती है। इसलिए पॉवेल को झेलना ट्रंप की मजबूरी है।

वेदांता लिमिटेडः 20 अरब डॉलर की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में कंपनियों की रुचि

नई दिल्ली।

दुनिया की कई परामर्श कंपनियों ने वेदांता लिमिटेड की कई क्षेत्रों में फैली 20 अरब डॉलर की विस्तार परियोजनाओं को लागू करने में रुचि दिखाई है। प्रमुख कंपनी चालू तिमाही में परामर्श कंपनी का चयन करेगी। वेदांता अगले तीन साल में अपने परिचालन का महत्वपूर्ण विस्तार करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह चार इकाइयों- वेदांता एल्युमीनियम, तेल और गैस, बिजली, और लौह एवं इस्पात में पुनर्गठन कर रही है। वेदांता लिमिटेड के एक अधिकारी ने बताया कि वे एक वैश्विक रुचि पत्र जारी करेंगे और कुछ सप्ताह के भीतर भागीदार का चयन करेंगे। कंपनी अगले तीन साल में धातु, खनन, और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेगी। वेदांता के चेयरमैन ने इससे पहले कहा था कि कंपनी विविध कारोबार के विभाजन के बाद संपत्ति प्रबंधन से संपत्ति की मालिक बनेगी। कंपनी अपने संपत्ति आधार को मजबूत कर रही है और वैश्विक अगुवा के रूप में स्थापित होने का प्रयास कर रही है। धातु क्षेत्र की दिग्गज कंपनी की आमदनी 41,216 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें मार्च में समाप्त तिमाही में 3,483 करोड़ रुपये का आकलन शामिल है, जो पिछले साल की सामान्यतः 1,369 करोड़ रुपये से अधिक है।

ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था अनिवार्य

ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच पर इलेक्ट्रॉनिक बुक व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। यह प्रावधान ईबीपी मंच की दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करेगा। सेबी के नए परिपत्र के अनुसार, अब निजी नियोजन के लिए 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निर्गम आकार की ऋण या बॉन्ड प्रतिभूतियों, एनसीआरपीएस और म्यूनिसिपल बॉन्ड जैसे अनुभागों के लिए भी ईबीपी मंच का उपयोग अनिवार्य होगा। अब तक निर्गम आकार वाले बॉन्ड प्रतिभूतियों के सभी निजी नियोजन के लिए ईबीपी मंच का प्रयोग अनिवार्य था, लेकिन अब रीट और इनविट भी इसमें शामिल होंगे। सेबी ने इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और रियल एस्टेट इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (आरईआईटी) को भी शामिल कर दिया है। इस पहल से इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता के मंच की महत्वपूर्णता और प्रभाव बढ़ेगा।

BharatkaBadaltaShasan@Gmail.com
भारत का बदलता शासन
follow us -@Bharatkbs

INDIAN PHYSIOTHERAPY & OSTEORHAB CENTRE
DR. RAJENDRA YADAV
BPT, MPT (NEURO)
Certified International Sports and Manual Therepy
Cont.: 8218970094
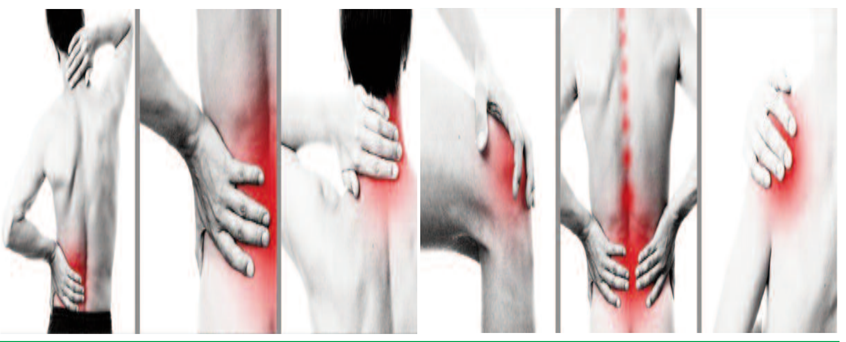
3/3, NEW CANTT ROAD, SALAWALA BRIDGE, HATHIBARKALA, DEHRADUN

हिंदू इकोनॉमिक फोरम, गाजियाबाद चैप्टर की विधिवत शुरूआत

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। समरकूल की मेरठ रोड स्थित फैक्ट्री के प्रांगण में बैठक आयोजित करके शनिवार को हिंदू इकोनॉमिक फोरम गाजियाबाद की औपचारिक शुरूआत की गई। जिसमें संजीव सचदेव को अध्यक्ष, अतुल जैन को उपाध्यक्ष, संजीव अरोड़ा को महासचिव और अनिल तनेजा को वित्त सचिव घोषित किया गया। बृजेश अग्रवाल, उपेन्द्र गोयल संरक्षक एवं समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता चेयरमैन घोषित किए गए। कार्यक्रम में हिंदू धर्म और संस्कृति पर चारों तरफ से हो रहे हमलों से जागरूक रहने और हिन्दू व्यापारी, हिंदू उद्यमी और हिंदुओं को अपनी एकता द्वारा देश और धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया गया। उपस्थित बुद्धिजीवियों ने अपनी लाखों वर्ष पुरानी महान संस्कृति के लिए गर्वित महसूस करने के महत्व को भी विशेष रूप से रखा। कार्यक्रम में उपस्थित व्यक्तियों ने एक स्वर से ना केवल तुर्किये और अजरबेजान के बायकॉट का प्रण लिया गया बल्कि बांग्लादेश में हजारों हिंदुओं की निर्मम हत्या करने वाले और पहलगांव में धर्म पूछकर हत्या करने वाले विधर्मियों के आर्थिक बहिष्कार के प्रयासों पर भी बल दिया। कार्यक्रम का संचालन संजीव सचदेवा द्वारा और मुख्य विषय उपेंद्र गोयल द्वारा रखा गया। कार्यक्रम में नगर के प्रमुख उद्यमियों, व्यापारियों और समाजसेवियों ने सहभागिता करी। अतिथियों का स्वागत मेजबान समरकूल वाले संजीव कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। अंत में उन्होंने सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए उन्हें जलपान के लिए आमंत्रित किया।

समाचार व विज्ञापन प्रकाशित कराने एवं हमसे जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - 8527848454

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को गर्मी से बचाने की कवायद

भारत का बदलता शासन
follow X - @Bharatkbs

गाजियाबाद। गर्मी इस समय अपना प्रचंड रूप दिखा रही है। सूरज की तपिश के कारण सड़क पर निकलना दुश्वार हो रहा है। यातायात पुलिसकर्मी इतनी भीषण गर्मी में भी अपने फर्ज को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में उच्चाधिकारियों ने सड़क पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को गर्मी से राहत देने के लिए सराहनीय कदम उठाया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने बताया कि शहर एवं देहात के एक्सप्रेस-वे/हाईवे/अन्य ऐसे स्थान जहाँ पर यातायात बूथ या शेड नहीं हैं एवं यातायात के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे वेदांता, मॉडल टाउन सेक्टर 62, गौर ग्रीन, मीडिया हाउस, भोजपुर, हापुड़ चुंगी अजनारा कट राजनगर एक्सटेंशन, लाल कुआँ, मोहननगर आदि स्थानों पर नियुक्त यातायात कर्मियों को ड्यूटी के दौरान धूप/गर्मी से बचाव हेतु 100 टेम्प्रेचर कण्ट्रोल डिवाइस (एसी हेलमेट), छाता, पानी की बोतल, सेफ्टी गॉगल्स आदि वितरित किये गए। जिससे यातायात कर्मी, गर्मी में अपने ड्यूटी पॉइंट पर मौजूद रहकर सुचारु रूप से यातायात व्यवस्था बनाये रखें। इसके साथ ही यातायात पुलिस कर्मियों को पूर्ण मनोयोग से ड्यूटी करने एवं आमजनों से अच्छा व्यवहार किये जाने के संबंध में निर्देशित करने के अलावा वर्तमान में जारी अभियान के अंतर्गत ऑटो/ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारी व अगली सीट पर सवारी बैठाने, दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी,चार पहिया पर बिना सीट बेल्ट व शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त यातायात जियाउद्दीन अहमद, यातायात निरीक्षक अजय यादव उपस्थित रहे।

मौसी ने की थी बच्चे की गला दबाकर हत्या, पुलिस पूछताछ में कबूला गुनाह

लोनी। ट्रानिका सिटी थाना क्षेत्र के दौलत नगर कालोनी में पिटाई के बाद मौसी ने 12 साल के बच्चे का गला दबाया था। जिससे उसकी मौत हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारण की पुष्टि हुई है। गल्ले से रुपये निकालने पर पिटाई की थी। बच्चे की मां ने बहन के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रानिका सिटी थाना क्षेत्र के दौलतनगर कालोनी में चार दिन पूर्व 12 वर्षीय बच्चे साहिल की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। बच्चे की पीठ पर चोट के निशान थे। साहिल अपनी मौसी रहमती के पास रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर स्वजन को सूचना दी थी।

सूचना पर गोविंदपुर बेगुसराय बिहार से साहिल की मां अजमती खातून परिवार के साथ मौके पर पहुंची। दो दिन बाद मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई। जिसमें बच्चे की गला दबाकर मौत होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने महिला रहमती से पूछताछ शुरू की। पूछताछ में आरोपित रहमती ने पुलिस को बताया कि चार दिन पूर्व शाम को साहिल ने दुकान के गल्ले से कुछ रुपये निकाल लिए थे। जिससे गुस्से में आकर पिटाई कर रही थी।आवेश में आकर गला दबा दिया था। इसके बाद वह बेहोश हो गया। आसपास के लोगों को बुलाकर पास के डॉक्टर के पास ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। बच्चे की मां की शिकायत पर रहमती के खिलाफ हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, अलमती के चार बच्चे थे। जबकि उनकी बहन रहमती के एक भी बच्चा नहीं था। इस पर रहमती ने करीब 10 साल पूर्व साहिल को और उसकी एक बहन को गोद ले लिया था। चार साल पहले रहमती के पति मास्टर रजी अहमद की मौत हो गई। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने पर साहिल की बहन वापस बिहार अपनी मां के पास चली गई। जबकि साहिल यहीं रहमती के साथ रह रहा था।

Om Multi Speciality Hospital
& Ayush Center
24 HOUR EMERGENCY
AMBULANCE FACILITY AVAILBLE
Consultation fees 200/- Only
OPD Service Availble
(from 10.00 am to 1.00 pm & 6.00 pm to 10.00 pm)
Dental OPD (Timing- 10.00 am to 3.00 pm)
24/7 Emergency Services
Khasra No. 262/2, Garhi Market, 5 no. bhatta Road,
Near RKGIT College, Ghaziabad (U.P.) Ph. 8595362792, 9990205544

PREM-DHARAM
HOSPITAL & DIAGNOSTICS
10 D - 180, Near Kishan Chowk, Sector - 10, Vasundhara, Ghaziabad, U.P. (201012) Ph.: 0120-4127778
24 HOUR EMERGENCY
AC AMBULANCE
CASHLESS FACILITY AVAILBLE

Free home delivery
since 1994
M: 9212152831
UPASNA PHARMACY™
Your One Stop Meds Spet
(FORMERLY KNOWN AS GUPTA MEDICAL STORE)
ALLOPHATHIC | HOMOEOPATHIC | AYURVEDIC | VETERINARY | NUTRITION | COSMETICS

Pure Vegetarian
SINCE:1999
Free Home Delivery
अपनी रसोई®
FAMILY RESTAURENT
SPL. ARRANGEMENT FOR INDOOR, OUTDOOR PARTY
LUNCH DINNER THALI CHINES
We Prepare Our Food with 100 % Pure Panner, Desi Ghee, Amul Butter, Amul Cream, Ashirwaad Atta
HYGIENE QUALITY QUANTINTY
8929515157, 8929515156
Kh. No. 1056 Rajnagar extension, Ghaziabad, UP 201001 (Near Signature Home Society)

SBN PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. (NEW DELHI)
Uttranchal Nagar, Nandgram/ Rawali Kalan Ghaziabad
"एस०बी०एन० पब्लिक स्कूल पुष्पराज एक आशा ट्रस्ट के तहत
अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर
School Code 60195
Affiliation No. 2130435
Monthly Fees- Nur., LKG, UKG 500/-
1st. & 2nd. 600/-
3rd, 4th, 5th 700/-
6th, 7th, 8th 800/-
9th 1,000/-
11th 1,200/-
Er. Tarun Rawat
(Director SBN Group)
कोई न छूटे अबकी बार,
शिक्षा है सबका अधिकार
ADMISSION OPEN
(Session 2025-26)
Mob.: 9350183824 / 9871431939

राजनगर एक्सटेंशन का एक मात्र मल्टीस्पेशिलिटी आधुनिक हॉस्पिटल
रामानुज अस्पताल
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL
(50 बैड का मल्टीस्पेशलिटी आधुनिक अस्पताल)
(NABH PRE ENTRY ACCREDITED)
EMERGENCY 24 hr SERVICES
24 घंटे इमरजेंसी, एम्बुलेन्स और फार्मेसी की सुविधा
गरीब मरीजों के लिये फ्री इलाज की सुविधा (आयुष्मान भारत योजना के अर्न्तगत)
OPD / IPD / DAYCARE
ICU (Ventilator)
NICU
General/Private Ward
OT (Modular)
X-RAY (HINDRAYS/FUJIFILM)
ULTRASOUND (GE LOGIQ.V5 EXPERT)
ECG (GE)
C-ARM (ALLENGER)
ECHO/COLOUR DOPPLER
PATHOLOGY LAB
CAPF / CGHS / ALL TPA AVAILABLE
EMERGENCY CALL
9716833714
9716833715
9716833716
RAMANUUJ HOSPITAL
158, Rajnagar Extension
near Agarwal heights,
kdp gol chakkar,Ghaziabad (U.P.)